राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण रविवार,14जुन2020 वर्ष–2, अंक –102 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नोएडा में घर की जगह संस्थागत क्वारंटीन पर सुप्रीम कोर्ट ने उठाए सवाल, कहा फिर से करें विचार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा डीएम के उस आदेश पर सवाल उठाया जिसमें उन्होंने लोगों को होम क्वारंटीन के बजाय संस्थागत क्वारंटीन में भेजने की बात कही है। कोर्ट ने कहा, कोई भी आदेश राष्ट्रीय दिशा-निर्देश से अलग नहीं हो सकता। ऐसा हुआ तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। जस्टिस अशोक भूषण, जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस एमआर शाह की पीठ ने कहा, डीएम का आदेश सही नहीं है। हम राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों के पालन का आदेश दे सकते हैं, लेकिन हम चाहेंगे कि डीएम खुद आदेश पर पुनर्विचार करें। कोर्ट ने यूपी सरकार को इस संबंध में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

यूपी सरकार की ओर से पेश वकील गरिमा प्रसाद ने नोएडा-गाजियाबाद की आबादी और कोरोना के मामले तथा उससे निपटने के तरीके में दिल्ली से अंतर का हवाला देते हुए कहा, राष्ट्रीय राजधानी में होम क्वारंटीन का नियम है जबकि नोएडा व गाजियाबाद में संस्थागत क्वारंटीन का नियम है। इस पर पीठ ने कहा, अगर कोरोना के लक्षण न हों, तो क्या किया जाता है? राष्ट्रीय दिशा-निर्देश के तहत ऐसे मरीजों के लिए होम क्वारंटीन का नियम है।

राज्य और राष्ट्रीय नियम का पालन जरूरी

जस्टिस भूषण ने कहा, नोएडा डीएम का आदेश यूपी सरकार के निर्देशों के अनुरूप नहीं है। यह बिलकुल अलग है। डीएम के लिए राष्ट्रीय और राज्य के दिशा-निर्देशों का पालन करना जरूरी है। ऐसा न होने पर परेशानी पैदा कर सकती है। दिल्ली-एनसीआर में आवाजाही को लेकर सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, कोर्ट के निर्देश पर 9 जून को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के मुख्य सचिवों की बैठक हुई। उन्होंने कहा, अब एक राज्य से दूसरे राज्यों में जाने पर रोकटोक नहीं है। हरियाणा और दिल्ली में आने-जाने पर कोई पाबंदी नहीं है।

भारत समेत कई देशों में आ सकती है कोरोना की दूसरी लहर, भयावह होती है किसी महामारी की सेकंड वेव

नई दिल्ली

दुनिया अभी कोरोना वायरस की पहली लहर से पूरी तरह उबर भी नहीं पाई थी कि दूसरी लहर का खतरा बढ़ने लगा। ईरान में तो यह भयावह तरीके से नजर आ रहा है वहीं, दक्षिण कोरिया, स्पेन और जापान समेत कई देशों में भी अचानक नए मामले दर्ज किए जाने लगे हैं। अमेरिका के चार राज्यों में भी संक्रमण तेजी से बढ़ा है। जॉन्स हॉपकिंस सेंटर, पेरेलमैन स्कूल ऑफ मेडिसिन समेत कम से कम पांच संस्थाओं ने इसे दूसरी लहर का गहरा संकेत बताया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पुरानी महामारियों का हवाला देते हुए एक बार फिर चेताया है कि लॉकडाउन में ढील देते समय सरकारों को सतर्कता बरतनी चाहिए, दूसरी लहर का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। यूरोपीय यूनियन की कोविड-19 रिस्पॉन्स टीम की प्रमुख एंड्रिया एमॉन ने भी कहा कि यह सवाल है ही नहीं कि कोविड की दूसरी लहर आएगी या नहीं, सवाल यह है कि यह कितनी बड़ी और भयावह होगी।

● न्यूरोसाइंटिस्ट कार्ल फ्रिस्टन का कहना है कि दूसरी लहर कुछ महीनों के बाद आ सकती है और तब तक जो लोग संक्रमण से ठीक भी हो गए हैं उनका प्रतिरक्षा तंत्र भी शायद कमजोर पड़ने लगे। यह खतरनाक होगा।

दावा-भारत में भी आएगी दूसरी लहर

जापानी फाइनेंशियल रिसर्च फर्म नोमुरा ने दावा किया है कि भारत समेत 15 देशों में वायरस की दूसरी लहर आएगी। विशेषज्ञों ने भारत को खतरनाक जोन में रखा है। इसमें भारत, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, ब्राजील, मैक्सिको, चिली, स्वीडन, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा शामिल हैं।

सबसे बड़ी चिंता

विशेषज्ञों को इस बात की चिंता है कि सर्दी आने के साथ ही लोगों में फ्लू के लक्षण बढ़ेंगे, साथ ही कोरोना वायरस की दूसरी लहर का खतरा भी। न्यूरोसाइंटिस्ट कार्ल फ्रिस्टन का कहना है कि दूसरी लहर कुछ महीनों के बाद आ सकती है और तब तक जो लोग संक्रमण से ठीक भी हो गए हैं उनका प्रतिरक्षा तंत्र भी शायद कमजोर पड़ने लगे। यह खतरनाक होगा। अभी वायरस के बारे में बहुत कुछ ऐसा है जो पता नहीं है। समय आने पर उसमें क्या बदलाव होंगे और उनका क्या असर होगा, यह भी अभी देखना बाकी है।

इतिहास से सबक-दूसरी लहर अक्सर होती है भयावह

संक्रामक बीमारियों का इतिहास बताता है कि हमें दूसरी लहर से सचेत रहना चाहिए। ज्यादातर महामारी की दूसरी लहर आई है यह पहले से ज्यादा खतरनाक रही है। लाखों लोग इसका शिकार हुए हैं। आइए जानते हैं कुछ महामारियों के बारे में जिनकी दूसरी लहर भी काफी जानलेवा साबित हुई।

जम्मू कश्मीर में आतंकियों पर प्रहार, कुलगाम में हुई मुठभेड़ में 2 आतंकी ढेर

जम्मू कश्मीर। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार की सुबह सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर हुए हैं। कश्मीर जोन की पुलिस ने बताया कि कुलगाम के निपोरा इलाके में अभी एनकाउंटर रहा है और मारे गए दोनों आतकियों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया कि पुलिस और सुरक्षाबलों की तरफ से संयुक्त रूप से आतंकियों के खिलाफ यह ऑपरेशन चल रहा है। इधर, पुलवामा के त्राल में भी एनकाउंटर की खबर सामने आ रही है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में काफी आतंकी गतिविधियां देखी जा रही हैं जबकि दूसरी तरफ पाकिस्तान संघर्ष विराम का उल्लंघन कर घुसपैठ की कोशिश कर रहा है। इससे पहले, बीते बुधवार की मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 5 आतंकियों को ढेर किया गया था। उससे पहले करीब चार दिनों के भीतर वह शोपियां में यह चौथी मुठभेड़ थी। इसके साथ ही 2 सप्ताह के दौरान विभिन्न मुठभेड़ों में मारे गए अतंकवादियों की संख्या 27 से ज्यादा हो गई है। इस बीच किसी भी किस्म के विरोध- प्रदर्शन को रोकने के लिए पास के इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

इस वर्ष 2020 में अब तक सुरक्षाबलों ने 36 ऑपरेशनों में 92 आतंकी मार गिराए हैं। जबकि इनके 126 से ज्यादा मददगार गिरफ्तार किए जा चुके हैं। 2019 में 150 से अधिक और 2018 में 250 से अधिक आतंकियों को मारा गया था। मारे गए 92 आतंकियों मे केवल 35 हिजबुल के ही हैं। संगठन के ऑपरेशनल प्रमुख कमांडर रियाज नायकू समेत कई कमांडरों को भी मारा जा चुका है। ईद के बाद सुरक्षाबलों ने आतंकियों के खिलाफ अपने ऑपरेशंस में तेजी लाई है और आतंकी समूहों के शीर्ष नेतृत्व पर नजर रखी हुई है। कुलगाम में 25 मई को इस्लामिक स्टेट जम्मू-कश्मीर के कमांडर आदिल अहमद वानी और लश्कर-ए-तैयबा के शाहीन अहमद ठोकर को मारा गया। इसके बाद कुलगाम के वानपोरा इलाके में 30 मई को हिज्बुल मुजाहिदीन के कमांडर परवेज अहमद और जैश-ए-मोहम्मद के टॉप कमांडर शाकिर अहमद को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया।

कोरोना काल में पब्लिक ट्रांसपोर्ट में बड़े बदलाव की तैयारी, सोशल डिस्टेंसिंग जरूरी

नई दिल्ली। कोरोना काल में शहरी परिवहन सेवाओं के स्वरूप में परिवर्तन और नए विकल्पों के लिए केंद्र ने राज्यों, शहरों और मेट्रो कंपनियों के लिए परामर्श जारी किया है। इसमें पेट्रोल-डीजल के वाहनों की जगह गैर मोटरकृत परिवहन (एनएमटी) को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया है। आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा ने परामर्श में तीन सूत्री कार्यनीति का सुझाव दिया है। इसे तीन चरणों में लागू किया जायेगा। अल्प (छह महीने के भीतर), मध्यकालिक (एक वर्ष के भीतर) और दीर्घकालिक (1 से 3 वर्ष) में अपनाया जा सकता है।

पांच किमी के दायरे में एनएमटी

परामर्श के मुताबिक, अधिकांश शहरी यात्राएं पांच किमी के दायरे में होती हैं, इसलिए गैर मोटर वाले वाहनों के लिए कोविड-19 संकट में इसे लागू करने का सटीक अवसर है। साइकिल, पैदल चलने के साथ बिना इंजन वाले अन्य वाहनों को दोबारा प्रचलन में लाया जाए।

मेट्रो रेल में 25 से 50 फीसदी क्षमता का उपयोग

भारत के पास 18 बड़े नगरों में 700 किमी की मेट्रो व 11 नगरों में 450 किमी बीआरटी नेटवर्क है, जो रोजाना एक करोड़ यात्रियों के आवागमन को सुगम बनाता है। लेकिन सोशल डिस्टेंसिंग के कारण मेट्रो में 25 से 50 प्रतिशत क्षमता का ही उपयोग किया जाएगा।

सार्वजनिक परिवहन के उपयोगकर्ताओं में कमी

सरकार का कहना है कि मेट्रो, बस जैसे सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने वालों की संख्या में 90 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। इसे पुराने स्तर पर लाना एक बड़ी चुनौती है।

सोशल डिस्टेंसिंग जरूरी

यात्रियों के अधिक विश्वास के साथ फिर से मेट्रो और बीआरटी जैसी सार्वजनिक परिवहन को आरंभ करना होगा। निम्न व मध्य आय वर्ग के यात्रियों की रोजमर्रा की आवागमन के लिए ये मुख्य सहारा हैं। ऐसे में सेनेटाइजेशन व सोशल डिस्टेंसिंग के उपायों का अनुपालन करते हुए सार्वजनिक परिवहन से संक्रमण के प्रसार पर अंकुश लगाया जाए।

महाराष्ट्र में जुलाई से स्कूल खोलने की तैयारी, कक्षा 1 से 12वीं तक का ऐसा होगा टाइम टेबल

मुबई। कोरोना महामारीके बीच देश अब धीरे-धीरे अनलॉक हो रहा है। धार्मिक स्थल, मॉल, होटल और रेस्तरां अब खुल गए हैं और अब बारी स्कूलों के खुलने की है. महाराष्ट्र शिक्षा विभाग ने जुलाई से स्कूलों को खोलने का सुझाव दिया है. शिक्षा विभाग ने सरकार से कहा कि जिन क्षेत्रों में एक महीने तक कोरोना वायरस का कोई मामला सामने नहीं आया है, वहां स्कूलों को खोल देना चाहिए. हालांकि इस मुद्दे पर महाराष्ट्र सरकार ने अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है। महाराष्ट्र शिक्षा विभाग ने स्कूलों को खोलने के लिए तारीखों का सुझाव भी दिया है. विभाग ने कहा कि कक्षा 1 से 5वीं तक सितंबर में खोले जाने चाहिए. जबकि कक्षा 6 से 8वीं तक के अगस्त और 9 से 10वीं तक 12 जुलाई से स्कूल खुलने चाहिए. वहीं 10वीं का रिजल्ट आने के बाद 11 क्लास के स्कूल खोल दें।

महाराष्ट्र में कोरोना के मामले 1 लाख पार

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। शुक्रवार को राज्य में कोविड 19 के मामले 1 लाख के पार जाकर 1,01,041 हो गए। साथ ही महाराष्ट्र में अब तक 3717 लोगों की जान इस संक्रमण से जा चुकी है। वहीं मुंबई में शुक्रवार को 1366 कोरोना वायरस के नए मामले सामने आएद्ध इसके साथ ही शहर में 90 लोगों की मौत हुई. इसके बाद मुंबई में कोरोना वायरस संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 55451 हो गए. वहीं कुल मौतों का आंकड़ा 2044 हो गया है.

राज्य में कोरोना के बढ़ रहे मामलों के बीच मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि राज्य में फिर से लॉकडाउन नहीं लगाया जाएगा।

अस्पताल से गायब हो रहा कोरोना मृतकों की सामान, परिजन परेशान

नई दिल्ली। अस्पताल में कोरोना संक्रमण से जान गंवाने वालों का सामान गायब होने के मामले सामने आ रहे हैं। अपनों को खोने के गम से दुखी परिजन उस व्यक्ति से जुड़े सामान से भी दूर हो रहे हैं। ऐसी कई शिकायतें मिलने के बाद लोकनायक अस्पताल प्रशासन की ओर से वार्ड में तैनात नर्सिंग अधिकारी को इस संबंध में जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कई लोगों ने की शिकायत- अस्पताल सूत्रों ने बताया कि कोरोना संक्रमण के चलते जान गंवाने वाले कई मरीजों के परिजन उनका सामान लेने पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें मृतक परिजन का सामान नहीं मिल रहा है। परिजनों को खोने के दर्द और कोरोना के डर के चलते कई लोग बिना सामान लिए वापस लौट रहे हैं। लेकिन अनेक लोग ऐसे हैं, जिन्होंने अस्पताल प्रशासन को सामान गायब होने की शिकायत दी है। लगातार वार्ड से सामान न मिलने पर अस्पताल प्रशासन ने गंभीर रूख अपनाया है।

मृतकों के सामान का पैकेट बनेगा- अस्पताल प्रशासन के आदेश के मुताबिक अब जहां-जहां कोरोना संक्रमित मरीजों का उपचार किया जा रहा है। उस वार्ड के नर्सिंग अधिकारी को मरीज की मौत के तुरंत बाद उसका सारा सामान सेनेटाइज कर एक पैकेट बनाना होगा।

पैकेट पर सारी जानकारी होगी- पैकेट पर मरीज का नाम, पता और नंबर भी लिखना होगा। पैकेट बनाने के बाद अस्पताल में मौजूद सुरक्षा अधिकारी को देना होगा। यह सुरक्षा अधिकारी मृतकों के सामान की सुरक्षा करेंगे साथ ही उनका पूरा रिकॉर्ड भी रखेंगे, जिससे अगर किसी के परिजन सामान लेने के लिए आते हैं, तो सुरक्षा अधिकारी उनका सामान उन्हें दे सकें। अगर किसी का सामान रह जाता है तो सुरक्षा अधिकारी उनसे संपर्क करेंगे और उन्हें सामान ले जाने के लिए बोला जाएगा।

नर्सिंग अधिकारी की जिम्मेदारी- अगर इस व्यवस्था के अंतर्गत कोरोना से मरने वाला का सामान गायब हो जाता है जो उसकी जिम्मेदारी वार्ड में मौजूद नर्सिंग अधिकारी की होगी। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद यह व्यवस्था बनाई गई है।

कोरोना संक्रमण में तेजी रोकने के लिए केंद्र में कवायद तेज, आ सकती है नई गाइडलाइंस

नई दिल्ली। देश में लॉकडाउन के बाद भारी भरकम आर्थिक पैकेज के जरिए देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के सरकार के मंसूबों पर कोरोना संक्रमण की तेज रफ्तार ने बड़ा झटका दिया है। हालात को संभालने के लिए केंद्र में कवायद शुरु हो गई है और उच्चाधिकार प्राप्त समूहों से अनलॉक एक के दौरान के हालतों पर रिपोर्ट देने को कहा गया है। ऐसे में जल्द नए दिशा निर्देश आने की संभावना है। एक जून के बाद दिल्ली, मुंबई समेत कई क्षेत्रों में न केवल संक्रमितों की संख्या बढ़ी है, बल्कि मौतों के आंकड़े भी सरकार के लिए परेशानी का सबब बने हैं। इससे केंद्र की रणनीति को भी झटका लगा है।

सरकार में अनलॉक वन के दौरान की स्थितियों का गंभीरता से अध्ययन किया जा रहा है और भावी रणनीति की तैयारी की जा रही है। सूत्रों के अनुसार केंद्र सरकार में उच्च अधिकार प्राप्त विशेष दल स्थिति पर न केवल निगरानी रखे हुए हैं, बल्कि हर राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों के आंकड़ों पर मंथन भी कर रहे हैं। सबसे बदतर हालत दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों

की है जिनसे पूरे देश में गलत संदेश जा रहा है और सरकार की कार्यप्रणाली पर ही सवाल खड़े हुए हैं।

भारत में कोरोना के मामले 3 लाख के पार, टॉप 4 संक्रमित राज्यों में 65 प्रतिशत केस

कई राज्यों से लॉकडाउन की मांग आने लगी है। मध्य प्रदेश में भोपाल में शनिवार व रविवार को लॉक डाउन की घोषणा की गई है। महाराष्ट्र सरकार ने भी लोगों को इस बारे में चेतावनी दी है। ऐसे में केंद्र के सामने सबसे बड़ी दुविधा यही है कि वह फिर से लॉकडाउन की तरफ लौटे या फिर मौजूदा स्थितियों में भी नए तौर-तरीकों से हालात को नियंत्रित करें। राज्य भी ऐसे हालात में केंद्र की तरफ देख रहे हैं।

● सरकार में अनलॉक वन के दौरान की स्थितियों का गंभीरता से अध्ययन किया जा रहा है और भावी रणनीति की तैयारी की जा रही है।

केंद्र सरकार और राज्यों के बीच जल्दी उच्चस्तरीय विचार-विमर्श हो सकता है जिसमें अनलॉक एक के दौरान बिगड़े हालातों को थामने के उपायों पर चर्चा के साथ नए दिशा निर्देशों की तैयारी की जा सकती है। हालांकि स्वास्थ्य मंत्रालय लगातार सभी राज्यों के संपर्क में है, लेकिन अब विभिन्न स्तरों पर एक साथ कदम उठाने की जरूरत महसूस हो रही है। केंद्र सरकार के एक बड़े अधिकारी ने कहा है कि जल्दी ही सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो जुलाई माह में हालात और बदतर हो जाएंगे।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सतर्कता एकमात्र विकल्प

कोरोना संक्रमण में भारत का दुनिया में चौथे स्थान पर पहुंचना जितना दुखद है, उससे कहीं अधिक चिंताजनक है। इस चिंता का इजहार जन-सामान्य से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक होना स्वाभाविक है। माना जा रहा था कि कोरोना भारत में ज्यादा नहीं फैलेगा और दुनिया को भारत से उम्मीदें भी हैं, लेकिन पिछले महीने भर में कोरोना ने जो रफ्तार पकड़ी है, हमारी चुनौतियां बहुत बढ़ गई हैं। अब भारत से आगे केवल तीन देश बचे हैं। रूस में पांच लाख से अधिक मामले हैं, ब्राजील में आठ लाख से ज्यादा और अमेरिका में 20 लाख से ज्यादा। भारत में संक्रमण की यही रफ्तार रही, तो जुलाई में ही कोरोना संक्रमण चरम पर पहुंच जाएगा। तेज बढ़ते संक्रमण से पता चलता है, लोग पूरी तरह सचेत नहीं हैं। कोरोना से रक्षा के दिशा-निर्देशों के प्रति लापरवाही ज्यादा दिख रही है, तो नतीजे सामने हैं। कुछ राज्य फिर लॉकडाउन के पक्ष में हैं। कोरोना प्रबंधन की ऐसी-ऐसी खामियां सामने आने लगी हैं, जिन्हें छिपाया नहीं जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को देश भर के सरकारी अस्पतालों में कोविड-19 रोगियों और शवों के साथ हो रहे व्यवहार पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्थिति को विकट बताया है। खबरों का संज्ञान लेते हुए तीन न्यायाधीशों वाली पीठ ने अस्पतालों के हालात पर चार राज्यों, दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से विस्तृत स्थिति रिपोर्ट मांगी है। न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ ने कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कोरोना प्रबंधन की खिंचाई की है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है, जब मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, तब जांच की संख्या बढ़नी चाहिए, ऐसे में राष्ट्रीय राजधानी में जांच का घट जाना अनुचित है। शीर्ष अदालत ने यह भी कह दिया कि सरकारी अस्पतालों में बड़ी संख्या में बिस्तर खाली होने के बावजूद मरीज भटक रहे हैं। कोर्ट को शव प्रबंधन पर भी चिंता जाहिर करनी पड़ी है, तो स्थिति की गंभीरता समझी जा सकती है। जहां चेन्नई में सरकारी एजेंसियां मृतकों की अलग-अलग संख्या बता रही थीं, तो वहीं दिल्ली में भी यही शिकायत सामने आ गई। जब एजेंसियां मौत के आंकड़े ही दुरुस्त नहीं रख पा रही हैं, तो संक्रमितों की संख्या कितनी पुख्ता होगी, सोच लेना चाहिए। देश में सबसे अधिक 94 हजार से ज्यादा मामले महाराष्ट्र में हैं, उसमें भी मुंबई सबसे बुरे हाल में है। वहां की सरकार केंद्र से सहयोग मांगने को विवश हुई है। मुंबई के सिविक संचालित अस्पतालों में वार्ड-ब्वॉयज और नर्सों के 30 प्रतिशत स्टाफ की कमी है। विकसित शहर मुंबई में जब सेहत व्यवस्था चरमराने लगी है, जब राष्ट्रीय राजधानी कराहने लगी है, तब देश के दूसरे इलाकों का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। बेशक, जब आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं, तो व्यवस्था की खामियां-कमियां खुलकर सामने आएंगी ही, लेकिन जरूरत इन खामियों को लेकर उदास होने की नहीं है। हर किसी को अपने स्तर पर सोचना होगा कि वह संक्रमण के पक्ष में है या विपक्ष में। हम अपनी उदासीनता या लापरवाही से ऐसी नौबत ही क्यों आने दें कि अस्पतालों पर ज्यादा बोझ पड़े? हिम्मत के साथ हमें मुकाबला करना है। तीन लाख की भयावह संख्या सताने लगे, तो यह भी सोचना चाहिए कि उसमें करीब डेढ़ लाख लोग कोरोना के खिलाफ विजयी रहे हैं। हम सोलह आना सावधान रहकर ही विजयी होंगे और हमारा देश भी।

आज के ट्वीट

भगवान

भगवान बोलते हैं...

तो करता वही है जो तू चाहता है, पर होता वही है जो मैं चाहता हूँ,
तो वही कर जो मैं चाहता हूँ, फिर वही होगा जो तू चाहता है.... :)

-- अनुपम खेर

भारत विरोध की हदें लांघता पाक

विवेक काटजू

पिछले सप्ताह पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने प्रेस वार्ता में खाद्य एवं कृषि संगठन के तत्वावधान में काम करने वाले दक्षिण एशियाई आयोग को अपने देश की ओर से मरुस्थलीय टिड्डी दल को काबू करने पर प्रतिबद्धता जतायी है। पाकिस्तान के अलावा भारत, ईरान और अफगानिस्तान भी इस संगठन के सदस्य हैं। फिलवक्त भारत और पाकिस्तान पिछले दो दशकों में सबसे बड़ा टिड्डी हमला झेल रहे हैं। खाद्य एवं कृषि संगठन ने हाल ही में कहा था 'वंसत ऋतु में पैदा होने वाली टिड्डियां का रुख इस बार वक्त से पहले स्थानांतरण पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से से भारत के राजस्थान की ओर मई माह में होगाज इसके कुछ झुंड 1962 के बाद पहली बार उत्तर भारतीय सूबों की ओर बढ़ेंगे।' संगठन ने यह चेतावनी भी जारी की है कि वर्षा ऋतु शुरू होते ही टिड्डी दल अंडे देने के लिए राजस्थान वापस लौटेगा। आगे जून माह में टिड्डियों के एक के बाद एक झुंड दक्षिणी ईरान से तो आएंगे ही, जुलाई में हॉर्न ऑफ अफ्रीका क्षेत्र से आने वाले टिड्डी दल भी राजस्थान में अंडे देने पहुंचेंगे। पाकिस्तानी प्रवक्ता ने यह भी कहा 'हमें विश्वास है कि हमारी अनेक माहिर तकनीकी टीमें टिड्डी रोकथाम पर खाद्य एवं कृषि संगठन के साथ समन्वय कर माकूल ढंग से काम कर रही हैं।' हालांकि, ऐसा लगता है कि सच इस कथन से अलग है। पाकिस्तानी का कथित सहयोग, कम से कम भारत के संदर्भ में, कभी तसल्लीबख्श नहीं रहा है। खाद्य एवं कृषि संगठन अपनी जगह केवल सूचनाओं का आदान-प्रदान केंद्र भर है और क्षेत्रीय स्तर पर भावी स्थिति से अवगत कराता है। यह काम उस सीधे तकनीकी सहयोग का विकल्प नहीं हो सकता जो दोनों देशों के लिए टिड्डियों की समस्या को काबू करने में फायदेमंद हो। पहले ही टिड्डी दल ने इनके यहां कृषि पर बुरा असर डाल रखा है, वह भी कोविड-19 महामारी जैसे महासंकट के दौरान। समस्या यह है कि भारत के विरुद्ध पाकिस्तान का रिवायती अतार्किक रवैया जम्मू-कश्मीर में संवैधानिक बदलाव किए जाने के बाद और ज्यादा बढ़ गया है। लिहाजा इसने खुद को एक कोने में बंद कर लिया है, यहां तक कि उन विषयों पर भी, जो आम जीवन और जीवनयापन से संबंधित हैं। बहुपक्षीय संदर्भ में भी, पाकिस्तान के नेतृत्व ने नकारात्मक रुख दिखाया है। जहां अन्य सभी दक्षेस संगठन के राष्ट्राध्यक्षों ने प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर कोरोना महामारी की चुनौती से साथ मिलकर निपटने के उपायों पर आपेक्षित वीडियो शिखर सम्मेलन में भाग लिया, वहीं पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने खुद न उपस्थित होकर अपने स्वास्थ्य सलाहकार को आगे किया था, जो इस नाजुक मौके पर भी कश्मीर का राग अलापने से बाज नहीं आया। हालांकि, इमरान खान का मकसद अपनी गैर-मौजूदगी से मोदी को नीचा दिखाना था। पाकिस्तान ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रस्तावित कोरोना आपदा कोष बनाने के तंत्र में रोड़े अटकाने का यत्न किया है। भारत ने दक्षेस राष्ट्रों को मदद देने के लिए अपनी ओर से 1 करोड़ डॉलर का आरंभिक योगदान किया है। पिछले तीन महीनों से हालांकि पाकिस्तान खुद भी अन्य मुल्कों की तरह कोरोना महामारी का दंश झेल रहा है, इससे उसका स्वास्थ्य तंत्र और अर्थव्यवस्था बुरी तरह चरमरा गए हैं, तथापि भारत-विरोधी कृत्य और दुष्प्रचार पहले की तरह निर्बाध है। इनमें जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की घुसपैठ जारी रखना भी शामिल है। हालांकि, ऐसे कई प्रयत्न भारतीय सुरक्षा बलों ने समय रहते निष्फल कर दिए हैं। सीमा पर गोलाबारी की घटनाएं हुई हैं और कुछ सिविलियन मारे गए हैं। पाकिस्तानी सेना आतंकी करतूतों को उकसावा देना जारी रखे हुए है। इमरान खान ने भारत पर झूठे मुठभेड़ अभियान चलाने का आरोप भी लगाया है। पाकिस्तान का मुख्य इल्जाम है कि मोदी सरकार के तहत भारत हिंदू श्रेष्ठता बनाने की ओर अग्रसर हुआ है और 'इस्लाम के हौव्वे' से ग्रस्त है। सात सप्ताह पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह कुरैशी ने इस्लामिक देशों के संगठन (ओआईसी) से कहा था कि वह भारत द्वारा मुस्लिमों के प्रति भेदभाव वाला व्यवहार रखने पर संज्ञान लेकर निंदा करे। कुरैशी ने चिरपरिचित इल्जाम दोहराए, लेकिन उकसावे के बावजूद संगठन की ओर से सख्त प्रतिक्रिया बनाने में नाकामयाब रहे। लेकिन लगभग दो हफ्ते पहले इस्लामिक संगठन के सदस्य देशों के संयुक्त राष्ट्र प्रतिनिधियों की बैठक में पाकिस्तान ने फिर से भारत के खिलाफ जमकर आरोप लगाए थे। उसने कहा कि भारत में 'इस्लामोफोबिया' की जांच हेतु एक समूह भेजा जाए। लेकिन उसका यह अभियान असफल हो गया क्योंकि कथित तौर पर यूएई और मालदीव ने उस प्रस्ताव का साथ देने से साफ मना कर दिया, जो भारत के विरुद्ध जाता हो। तथ्य यह है कि कुछ इस्लामिक देशों में भले ही इस बात की चिंता जताई है कि भारत अपने धर्म-निरपेक्ष सिद्धांतों से परे हट रहा है, उन्होंने अपने यह संकेत सीधे किंतु ढके-छिपे तरीके से दिए हैं, केवल चंद देश जैसे कि तुर्की पाकिस्तान का साथ खुलकर देने को इच्छुक है। इससे पाकिस्तान का मायूस होना स्वाभाविक है, अन्यथा वह इस्लामिक जगत से भारत के खिलाफ सक्रिय होकर प्रचार चलवाना चाहता था। इस बात की संभावना कम ही है कि आतंकवाद के साथ नाम जुड़ने और अत्यंत कमजोर आर्थिकी की वजह से वह इस काम में सफल हो पाएगा। वह भी इस्लामिक देशों में केवल पाकिस्तान ही परमाणु शक्ति संपन्न होने के बावजूद! कोई हैरानी नहीं कि हालिया चीन-भारत सीमा तनाव पर पाकिस्तान ने एक पिछलग्गू की भांति चीन का समर्थन किया है। पिछले महीने के आखिर में शाह कुरैशी ने चीन सीमा पर भारत के 'गैर-कानूनी निर्माण' को इसके लिए उत्तरदायी बताया था। कुरैशी सीमा पर यथास्थिति बदलने को आतुर अपने आका के कृत्यों को सही ठहराने की हद तक चले गए और जोर देकर कहा कि चीन भारत द्वारा की जा रही नई कार्रवाई से अनजान बनकर नहीं रह सकता। इमरान और कुरैशी, ने ही मौजूदा संकट का फायदा उठाते हुए कहा है कि भारत विस्तारवाद की राह पर चल रहा है और अपने पड़ोसी देशों के लिए खतरा है। समझदारी की बात है कि भारतीय प्रवक्ता ज्यादातर इस तरह के वाहियात इल्जामों पर प्रतिक्रिया नहीं देते हैं। इसकी बजाय जब जरूरी होता तब ही आतंकवाद को प्रायोजित करने पर पाकिस्तान की मिलीभगत पर ध्यान केंद्रित करवाना चाहते हैं। 31 मई को भारत ने दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में नियुक्त दो अधिकारियों को जासूसी करने के आरोप में धरा था। उनसे सवाल पूछे गए, गिरफ्तार किया, छोड़ा और 'गैर-वांछित व्यक्ति' करार देकर निकाल देश से बाहर किया। यह अपने आप में नई बात नहीं थी, राजनयिक स्टाफ के चोले की आड़ में जासूसी करने वालों को पहले भी वापस भेजा जाता रहा है। हैरानी की बात तो यह है कि बदले की परंपरा वाली कार्रवाई में पाकिस्तान ने निष्कासन करने जैसा रिवायती कदम अभी तक नहीं उठाया है। ऐसा लगता है कि इस बार वह अपने यहां 'निकाल बाहर' करने जैसा जवाबी कदम न उठाकर, कम से कम दो भारतीय दूतावास अधिकारियों को पकड़कर पहले दुर्व्यवहार करना चाहता है। जाहिर है इसके लिए वह मौके की तलाश में है। अफसोस की बात है कि कोविड-19 जैसा विपत्तिकाल भी भारत के प्रति पाकिस्तानी रवैये में नरमी का भाव नहीं ला पाया है। उसकी प्रतिक्रियावादी दुश्मनी बदस्तूर जारी है।

लेखक विदेश मंत्रालय में सचिव रह चुके हैं।

ज्ञान गंगा

पात्रता

श्रीराम शर्मा आचार्य/ पात्रता के अभाव में सांसारिक जीवन में किसी को शायद ही कुछ विशेष उपलब्ध हो पाता है। अपना सगा होते हुए भी एक पिता मूर्ख गैर जिम्मेदार पुत्र को अपनी विपुल सम्पत्ति नहीं सौंपता। कोई भी व्यक्ति निर्धारित कसौटियों पर खरा उतरकर ही विशिष्ट स्तर की सफलता अर्जित कर सकता है। मात्र मांगते रहने से कुछ नहीं मिलता, हर उपलब्धि के लिए उसका मूल्य चुकाना पड़ता है। बाजार में विभिन्न तरह की वस्तुएं दुकानों में सजी होती हैं, पर उन्हें कोई मुफ्त में कहां प्राप्त कर पाता है? अनुनय विनय करने वाले तो भीख जैसी नगण्य उपलब्धि ही करतलगत कर पाते हैं। पात्रता के आधार पर ही शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय आदि क्षेत्रों में भी विभिन्न स्तर की भौतिक उपलब्धियां हस्तगत करते सर्वत्र देखा जा सकता है। अध्यात्म क्षेत्र में भी यही सिद्धान्त लागू होता है। भौतिक क्षेत्र की तुलना में अध्यात्म के प्रतिफल कई गुना अधिक महत्त्वपूर्ण, सामर्थ्यवान और चमत्कारी हैं। किन्हीं-किन्हीं महापुरु षों को देख एवं सुनकर हर व्यक्ति के मुंह में पानी भर आता है तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए मन ललचाता है, पर अभीष्ट स्तर का आध्यात्मिक पुरु षार्थ न कर पाने के कारण उस ललक की आपूर्ति नहीं हो पाती। पात्रता के अभाव में अधिकांश को दिव्य आध्यात्मिक विभूतियों से वंचित रह जाना पड़ता है जबकि पात्रता विकसित हो जाने पर बिना मांगे ही वे साधक पर बरसती हैं। उन्हें किसी प्रकार का अनुनय विनय नहीं करना पड़ता है। यह सच है कि अध्यात्म का, साधना का चरम लक्ष्य सिद्धियां-चमत्कारों की प्राप्ति नहीं है, पर जिस प्रकार अध्यवसाय में लगे छात्र को डिग्री की उपलब्धि के साथ-साथ बुद्धि की प्रखरता का अतिरिक्त अनुदान सहज ही मिलता रहता है, उसी तरह आत्मोत्कर्ष की प्रचण्ड साधना में लगे साधकों को उन विभूतियों का भी अतिरिक्त अनुदान मिलता रहता है, जिसे लोक-व्यवहार की भाषा में सिद्धि एवं चमत्कार के रूप में जाना जाता है। पर चमत्कारी होते हुए भी ये प्रकाश की छाया जैसी ही हैं। प्रकाश की ओर चलने पर छाया पीछे-पीछे अनुगमन करती है। अंधकार की दिशा में बढ़ने पर छाया आगे आ जाती है, उसे पकड़ने का प्रयत्न बेकार हो जाता है। इसी प्रकार अर्थात दिव्यता की ओर-श्रेष्ठता की ओर परमात्म पथ की ओर बढ़ने पर छाया अर्थात ऋद्ध-सिद्धियां साधक के पीछे-पीछे चलने लगती हैं।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

चीनी निरंकुशता के खिलाफ एकजुटता

एन.के. सोमानी

हिंद महासगर में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया ने एक-दूसरे के सैनिक अड्डों का इस्तेमाल करने का समझौता किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन के बीच वर्चुअल शिखर बैठक के दौरान हुए इस समझौते के बाद दोनों देशों के जंगी जहाज और फाइटर जेट एक-दूसरे के सैन्य अड्डों का इस्तेमाल कर सकेंगे। ऑस्ट्रेलिया से पहले भारत अमेरिका के साथ इस तरह का समझौता हो चुका है। इस समय न केवल भारत के साथ बल्कि ऑस्ट्रेलिया के साथ भी चीन के संबंध तनावपूर्ण स्थिति में है। अत- भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए समझौते को रणनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पिछले कुछ समय से ऑस्ट्रेलिया ने चीन के विरुद्ध मोर्चा खोल रखा है। कोरोना संक्रमण के मामले में वह चीन की भूमिका की जांच किए जाने के यूरोपीय संघ के प्रस्ताव का समर्थन भी कर रहा है। दक्षिण चीन सागर मामले में भी ऑस्ट्रेलिया ने चीन की आलोचना की थी। हांगकांग मसले पर भी ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के साथ मिलकर चीन के नए सुरक्षा कानून की निंदा की है। भारत और ऑस्ट्रेलिया दुनिया के दो बड़े लोकतांत्रिक देश हैं। साल 2009 में दोनों रणनीतिक साझेदार के रूप में एक-दूसरे के नजदीक आये। उसके बाद 2014 में प्रधानमंत्रियों के दौरे से दोनों देशों का रिश्ता और मजबूत हुआ। साल 2018-19 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 20.92 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 5.17 अरब डॉलर का निर्यात किया था जबकि वहां से 15.75 अरब डॉलर की वस्तुओं का आयात किया था। स्कॉट मॉरिसन जनवरी में भारत आने वाले थे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी भीषण आग के कारण उस वक्त उनका दौरा टल गया था। मई में उनका कार्यक्रम फिर बना। लेकिन कोरोना महामारी के चलते वह इस दफा भी नहीं आ सके। ऐसे में मोदी और मॉरिसन ने वर्चुअल बैठक के माध्यम से मिलने का फैसला किया। अब ऑस्ट्रेलिया पहला ऐसा देश हो गया है, जिसके साथ भारत ने द्विपक्षीय वर्चुअल बैठक की है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गहराती दोस्ती व्यापार और वाणिज्य के लिहाज से तो महत्वपूर्ण है ही, इंडो-पेसेफिक क्षेत्र के लिए भी अहम मानी जा रही है। दरअसल, हिंद प्रशांत क्षेत्र को लेकर भारत और ऑस्ट्रेलिया का समान दृष्टिकोण है। दोनों देश संप्रभुता व अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करते हुए नियम आधारित समुद्री व्यवस्था का समर्थन करते है। दोनों का मानना है कि महासागरों के शांत जल को कूटनीतिक दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। इस समझौते के बाद जहां एक ओर भारत को इंडोनेशिया (कोकोज द्वीप समूह) के पास बने ऑस्ट्रेलिया के नौ सैनिक अड्डों के इस्तेमाल का अधिकार प्राप्त होगा, वहीं दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया को भारत के अंडमान निकोबार द्वीप समूह पर स्थित नौ सैनिक अड्डों के उपयोग की सुविधा प्राप्त हो सकेगी। इससे दोनों देशों की सेना हिंद महासागर में स्थित मलक्का स्टेट और आसपास के इलाके पर कड़ी नजर रख सकेगी। मलक्का स्टेट चीन का एक प्रमुख व्यापारिक जल मार्ग है। इस जल मार्ग के जरिये ही वह अपना सामान अफ्रीका और एशिया के देशों में पहुंचा पाता है। चीन साउथ चाईना सी की तरह इस पूरे इलाके पर अपना दबदबा बनाए रखना चाहता है। दूसरी ओर चीन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की रणनीतिक गतिविधियों पर नजर रखने के लिए हिंद महासागर में ऑस्ट्रेलिया के पास एक सैन्य बेस का निर्माण करना चाहता है। इसके लिए चीन ने ऑस्ट्रेलिया के पड़ोसी देश सोलोमन आईलैंड और पापुआ न्यू गिनी पर डोरे डालने शुरू कर दिये है। अगर चीन अपने कुत्सित इरादों में कामयाब हो जाता है, तो फिर उसे ऑस्ट्रेलिया के द्वार तक पहुंचने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। भारत के साथ भी चीन इस समय लद्दाख क्षेत्र में सीमा विवाद में उलझा हुआ है। ऐसे में 'दुश्मन का दुश्मन दोस्त' वाली रणनीति पर चलते हुए भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ समझौता करके एक तरह से चीन के खिलाफ मोर्चा बंदी का काम किया है। कोरोना के बाद दुनिया के दूसरे देश जहां चीन का विकल्प ढूंढ़ रहे हैं, वहीं भारत भी चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है, ऐसे में ऑस्ट्रेलिया भारत के लिए एक विकल्प हो सकता है। चीन और ऑस्ट्रेलिया के बीच साल 2018 से ही संबंधों में तनातनी का दौर उस वक्त शुरू हो चुका था जब ऑस्ट्रेलिया ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर चीनी कंपनी हुवेई को 5जी नेटवर्क टावर लगाने से रोक दिया था। पिछले साल भी ऑस्ट्रेलिया ने चीन के एक बड़े कारोबारी का वीजा रद्द कर दिया था। ऑस्ट्रेलिया की कार्रवाई से गुस्साए चीन ने भी ऑस्ट्रेलिया से आने वाले कोयले को रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया से आने वाली जौ पर 80 फीसदी से ज्यादा का शुल्क लगा दिया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बचपन

गोपाल का दोस्त मिट्ठू बंदर

बाल कहानी

बंदरों को तुमने अक्सर लोगों को परेशान करते हुए देखा होगा लेकिन क्या कभी तुमने उन्हें लोगों से दोस्ती करते हुए देखा है। आज हम तुम्हें एक ऐसा हाल सुनाते हैं, जिससे मालूम होगा कि बंदर लड़कों से दोस्ती भी कर सकता है।

कुछ दिन हुए लखनऊ में एक सर्कस कंपनी आई थी। उसके पास शेर, भालू, चीता और कई तरह के और भी जानवर थे। इनके सिवा एक बंदर मिट्ठू भी था।लड़कों के झुंड-के-झुंड रोज इन जानवरों को देखने आया करते थे। मिट्ठू ही उन्हें सबसे अच्छा लगता। उन्हीं लड़कों में गोपाल भी था। वह रोज आता और मिट्ठू के पास घंटों चुपचाप बैठा रहता। उसे शेर, भालू, चीते आदि से कोई प्रेम न था। वह मिट्ठू के लिए घर से चने, मटर, केले लाता और खिलाता। मिट्ठू भी उससे इतना हिल गया था कि बगैर उसके खिलाए कुछ न खाता। इस तरह दोनों में बड़ी दोस्ती हो गई।

एक दिन गोपाल ने सुना कि सर्कस कंपनी वहां से दूर शहर जा रही है। यह सुनकर उसे बड़ा रंज हुआ। वह रोता हुआ अपनी मां के पास गया और बोला, 'अम्मा, मुझे एक अठन्नी दो, मैं जाकर मिट्ठू को खरीद लाऊं। वह न जाने कहां चला जाएगा। फिर मैं उसे कैसे देखूंगा? वह भी मुझे न देखेगा तो रोएगा।'

मां ने समझाया, 'बेटा, बंदर किसी को प्यार नहीं करता। वह तो बड़ा शैतान होता है। यहां आकर सबको काटेगा, मुफ्त में उलाहने सुनने पड़ेंगे। लेकिन लड़के पर मां के समझाने का कोई असर न हुआ। वह रोने लगा। आखिर मां ने मजबूर होकर उसे अठन्नी निकालकर दे दी।

अठन्नी पाकर गोपाल मारे खुशी के फूल उठा। उसने अठन्नी को मिट्टी से मलकर खूब चमकाया, फिर मिट्ठू को खरीदने चला। लेकिन मिट्ठू वहां दिखाई न दिया। गोपाल का दिल भर आया - मिट्ठू कहीं भाग तो नहीं गया?

मालिक को अठन्नी दिखाकर गोपाल बोला, 'अबकी बार आऊंगा तो मिट्ठू को तुम्हें दे दूंगा।'

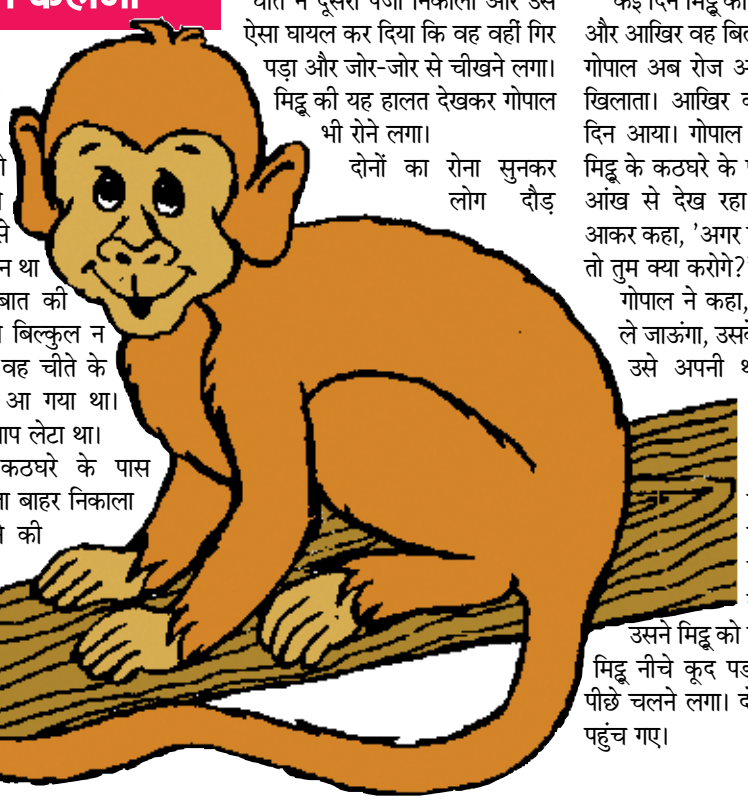

गोपाल निराश होकर चला आया और मिट्ठू को इधर-उधर ढूंढने लगा। वह उसे ढूंढने में इतना मगन था कि उसे किसी बात की खबर न थी। उसे बिल्कुल न मालूम हुआ कि वह चीते के कठघरे के पास आ गया था। चीता भीतर चुपचाप लेटा था।

गोपाल को कठघरे के पास देखकर उसने पंजा बाहर निकाला और उसे पकड़ने की कोशिश करने लगा। गोपाल तो दूसरी तरफ ताक रहा था। उसे क्या खबर थी कि चीते का तेज पंजा उसके हाथ के पास पहुंच गया है। करीब इतना था कि चीता उसका हाथ पकड़कर खींच ले कि मिट्ठू न मालूम कहां से आकर उसके पंजे पर कूद पड़ा और पंजे को दांतों से काटने लगा।

चीते ने दूसरा पंजा निकाला और उसे ऐसा घायल कर दिया कि वह वहीं गिर पड़ा और जोर-जोर से चीखने लगा। मिट्ठू की यह हालत देखकर गोपाल भी रोने लगा।

दोनों का रोना सुनकर लोग दौड़ पड़े, पर देखा कि मिट्ठू बेहोश पड़ा है और गोपाल रो रहा है। मिठू का घाव तुरंत धोया गया और मरहम लगवाया गया। थोड़ी देर में उसे होश आ गया। वह गोपाल की ओर प्यार की आंखों से देखने लगा, जैसे कह रहा हो कि अब क्यों रोते हो? मैं तो अच्छा हो गया।

कई दिन मिट्ठू की मरहम-पट्टी होती रही और आखिर वह बिल्कुल अच्छा हो गया। गोपाल अब रोज आता और उसे रोटियां खिलाता। आखिर कंपनी के चलने का दिन आया। गोपाल बहुत दुखी था। वह मिट्ठू के कठघरे के पास खड़ा आंसू-भरी आंख से देख रहा था कि मालिक ने आकर कहा, 'अगर मिट्ठू तुमको मिल जाए तो तुम क्या करोगे?'

गोपाल ने कहा, 'मैं उसे अपने साथ ले जाऊंगा, उसके साथ-साथ खेलूंगा, उसे अपनी थाली में खिलाऊंगा, और क्या।'

मालिक ने कहा, 'अच्छी बात है, मैं बिना तुमसे अठन्नी लिए ही इसे तुम्हें देता हूं। गोपाल को जैसे कोई राज मिल गया। उसने मिट्ठू को गोद में उठा लिया, पर मिट्ठू नीचे कूद पड़ा और उसके पीछे-पीछे चलने लगा। दोनों खेलते-कूदते घर पहुंच गए।

क्या तुम जानते होः खीरे का ऊपरी हिस्सा क्यों कड़वा होता है

अक्सर तुमने देखा होगा की जब मां या फिर घर में कोई और व्रत रखता है तो खीरा और अन्य फल का सेवन करता है।जब भी वह खीरा खाते हैं तो खीरे के ऊपर हिस्से को पहले काट देते हैं। लेकिन क्या तुमने कभी जाना है कि खीरे का ऊपरी हिस्सा कड़वा क्यों होता है।

खीरे का ऊपरी भाग पौधे से जुड़ा होने के कारण कुकर बिटासिन की कुछ भाग खीरे के डंठल के मार्फत उसमें भी प्रवेश कर जाता है।

खीरा यदि लंबे समय तक न तोड़ा जाए तो समूचा ही कड़वा हो जाता है।

स्वाद छोड़ दें तो वैसे इसमें नुकसान नहीं है क्योंकि वैज्ञानिकों ने पाया है कि कुकर बिटासिन से कैंसर जैसे रोगों का इलाज संभव है।

इस खीरे में पानी और फाइबर पाया जाता है। कब्ज, एसिडिटी, सीने में जलन या गैस्ट्रिक की कोई भी समस्या हो तो वह खीरे के लगातार सेवन से सही हो सकती है।

खीरा बहुत गुणकारी है, यह तो सभी जानते हैं। इसीलिए खीरे का ऊपरी हिस्सा अगर कड़वा हो तो उसे हटाकर बाकी खीरा अच्छा भी हो सकता है। खीरे में विटामिन बी और कार्बोहाइड्रेट होता है, जो तुरंत एनर्जी देता है।

बारिश से बचाव करता है छाता

बारिश के मौसम में अक्सर यह देखने को मिलता है कि लोग अपने बचाव के लिए तरह-तरह अपने उपयोगी वस्त्र धारण करके आते हैं।ऐसा ही एक चीज है छत्ती।छाते का इस्तेमाल आमतौर पर बारिश से बचने के लिए किया जाता है लेकिन असल में इसका आविष्कार धूप से बचने के लिए किया गया था। छाते से जुड़ी ऐसे ही कुछ रोचक बातें...

14वीं और 13वीं सदी में यूरोप में छाते का इस्तेमाल केवल राजघराने के लोग ही कर सकते थे। साधारण व्यक्ति को छाते का इस्तेमाल करते पकड़ा जाता तो उसे विचित्र सी सजा मिलती थी। ता-उम्र उसे छाता तानकर राजघराने के सदस्यों की गुलामी करनी पड़ती थी।

इंग्लैंड में आज भी लोग कहीं मेहमान बनकर जाते हैं तो अपने साथ छाता लेकर जाते हैं, क्योंकि वहां छाता सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है।

जावा में मृत व्यक्ति को धूप से बचाने के लिए उसकी कब्र पर छाता लगा दिया जाता है।

मलेशिया में लोग हिसक जानवर से सामा होने पर छाते को तानकर दौड़ते हैं। स्थानीय लोगों की मान्यता है कि छाते को देखकर शेर जैसा हिंसक जानवर भी दुम दबाकर भागने लगता है।ऑस्ट्रेलिया में प्रेम करने वाली लड़की हरे रंग का छाता लगाती है, जबकि अमरीका में छाते को महानता का प्रतीक माना जाता है।

मेक्सिको में लोग छाता टोपी के आकार का बना लेते हैं। इसे हाथ में लेकर चलने की जरूरत नहीं रहती।

हमारे देश में छाते का पहला कारखाना से 112 वर्ष पहले मुंबई में लगा था। तब एक छाते की कीमत थी चार पैसे।

लिखावट की है अपनी एक कहानी

हर व्यक्ति की अपनी एक लिखावट होती है। लिखावट से उस बच्चे की पहचान कर पाना भी आसान हो जाता है।कई बार बेचारी टीचर कह-कहकर थक जाती हैं कि रोज 10 पेज लिखकर हैंडराइटिंग का अभ्यास करो, लेकिन कई बच्चे हमेशा इससे बचते हो।इन प्यारे-प्यारे अक्षरों की भी एक कहानी है।चलो आज हम तुमको बताते हैं हैंडराइटिंग की कहानी और क्या है इसका महत्व।

लेखन की इतिहास

लिखावट के इतिहास को लेकर कई लोगों के अपने-अपने मत हैं। कहा जाता है कि इसकी शुरुआत 3,300 ईसा पूर्व मेसोपोटामिया में हुई थी। उस समय किसी आदमी ने मिट्टी के बोर्ड पर राशन का रिकॉर्ड रखने के लिए पहली बार लिखा था। ब्रिटेन के एक म्यूजियम में इस बोर्ड को आज तक संभालकर रखा गया है। वहीं कुछ शोधकर्ताओं का ये भी मानना है कि 60,000 से 25,000 ईसा पूर्व आदमी हड्डियों और पत्थरों पर आड़ी-तिरछी लाइनें खींचा करता था, ठीक उसी तरह जिस तरह तुम लोग क्लास में बोर होते समय अपनी कॉपी में खींचते रहते हो। इसकी भी एक मजेदार कहानी है। पुराने समय में जब लोग जहाज लेकर जाते थे तो उस टापू की पहचान के लिए उसके पत्थरों पर बड़ी-बड़ी लकीरें खींच देते थे जिससे कोई और जहाज और उसके कर्मचारी वहां पर अपना ठिकाना न बनाएं।

कहती है बहुत कुछ..

तुम्हारी हैंडराइटिंग तुम्हारे बारे में बहुत कुछ बयां करती है। इसे ग्राफोलॉजी यानी हैंडराइटिंग एनालिसिस भी कहते हैं। तुम जिस तरह से अक्षर बनाते हो, तराशते हो, इससे तुम्हारी 5000 तरह की पर्सनैलिटी का पता चलता है।साइकोलॉजी विषय में तुम्हारी हैंडराइटिंग की मदद से ही पता लगाया जाता है कि दिमाग सही काम कर रहा है या नहीं।

लिखावट में हो रचनात्मकता

राइटिंग में कुछ रचनात्मकता भी झलकनी चाहिए और इसी रचनात्मकता को कहते हैं राइटिंग स्किल। तुम्हारी हैंडराइटिंग और तुम्हारे ज्ञान का मिश्रण ऐसा होना चाहिए कि तुम्हें कोई भी विषय दे दिया जाए और तुम फट से उस पर लिख डालो। तुम्हारे शिक्षक भी उन बच्चों से बेहद खुश रहते होंगे, जिनकी हैंडराइटिंग और राइटिंग स्किल अच्छी होती होगी, इसलिए अभ्यास जरूरी है। निरंतर अभ्यास करते रहने से तुम निबंध, अनुच्छेद, पत्र, संवाद, चित्र और डायरी लेखन बिना किसी हिचकिचाहट के आसानी से कर सकोगे।

भविष्य कि लिए काफी उपयोगी

पता है अगर तुम साफ-सुथरी हैंडराइटिंग में लिखते रहोगे तो तुम्हारा भविष्य बेहतर बन सकता है। अच्छे लेखन और राइटिंग का प्रभाव दूसरे व्यक्ति पर जरूर पड़ता है। हो सकता है कि तुम अपनी सुंदर हैंडराइटिंग के कारण कैलिग्राफी आर्टिस्ट, राइटिंग आर्टिस्ट, शिक्षक और लेखक आदि बन जाओ। स्कूल में भी अपने टीचर की नजर में तुम नंबर वन छात्र बन सकते हो। स्कूल में भी सुलेख प्रतियोगिताएं होती ही रहती हैं। अपनी हिंदी और अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं की राइटिंग सुधारो और इन प्रतियोगिताओं के चैंपियन बनकर दिखाओ। देखना, हर तरफ तुम्हारी वाहवाही होगी।

नेशनल हैंडराइटिग डे

जिस तरह तुम लोग टीचर्स डे, रिपब्लिक डे और फादर्स डे सेलिब्रेट करते हो, वैसे ही कई देशों में हैंडराइटिंग डे भी मनाया जाता है। यह दिन हर वर्ष 23 जनवरी को आता है। इस दिन बच्चों अपने-अपने घरों में, स्कूलों में कम से कम एक पेज जरूर लिखते हैं।

ऐसे सुधारो अपनी लिखावट..

अक्षरों पर रखो ध्यानः लिखते समय स्पेलिग की गलती का जरूर ध्यान रखना। जब तुम रोज अभ्यास करो, तब किसी बड़े से एक बार जरूर अपने पेज को पढ़वा लो, इस तरह तुम्हारी हैंडराइटिंग का भी आकलन हो जाएगा और तुम्हारी स्पेलिग की गलतियां भी सामने आ जाएंगी।

आत्मविश्वास बेहद आवश्यकः अच्छी हैंडराइटिंग के लिए आत्मविश्वास भी बेहद जरूरी है। हर समय बस ये मत सोचो कि मेरी राइटिंग तो कितनी गंदी है, बल्कि ये सोचो कि मुझे अपनी लिखावट सबसे बेहतर करनी है।

रोज लिखो : तुम रोज कम से कम पांच पन्ने लिखने की आदत डालो। इस तरह तुम्हारी लिखावट खुद-ब-खुद सुधर जाएगी और तुम्हें लिखने में मजा आने लगेगा।

ग्रीटिग कार्ड बनाओ : तुम अपने मम्मी-पापा, टीचर और भाई-बहनों के लिए खुद से कार्ड बनाओ और उस पर लिखो। इससे भी तुम्हारा अभ्यास होता रहेगा।

डायरी जरूर बनाओः देखो लिखावट के अभ्यास के लिए तुम्हारी नोटबुक भी खास होनी चाहिए, इसलिए एक प्यारी सी डायरी खरीदो और रोज उस पर ही अभ्यास करो। इस तरह तुम्हें अपनी डायरी से प्यार होगा और तुम्हें लिखना भी अच्छा लगने लगेगा।

चिट्ठी करेगी मदद : आज मोबाइल के जमाने में चिट्ठी का दस्तूर एकदम खत्म हो गया है, लेकिन तुम इस परंपरा को फिर से शुरूकर सकते हो। बस झट से कागज-कलम उठाओ और अपने किसी रिश्तेदार को चिट्ठी लिखो। देखना, तुम्हारी हैंडराइटिंग में कितना सुधार आता है।

अच्छी कलम-पेंसिल का इस्तेमाल : अच्छी हैंडराइटिंग में बढ़िया पेन और पेंसिल का भी बेहद योगदान होता है, इसलिए इन चीजों में कभी कंजूसी मत करना। तुम जितना अच्छा पेन या पेंसिल इस्तेमाल करोगे, तुम्हारा सुलेख उतना सुंदर होगा।

अपनाओ अपना स्टाइल : तुम जिस तरह लिखने में आरामदायक महसूस करते हो, वैसे ही लिखो। ये कतई जरूरी नहीं कि तुम्हारा दोस्त कर्सिव लिख रहा है तो तुम भी वैसे ही लिखो। तुम अपना खुद का राइटिंग स्टाइल अपनाओ।

बोर्ड पर लिखने की डालो आदतः अक्षरों को बेहतर शेप देने के लिए व्हाइट या ब्लैक बोर्ड पर लिखना शुरूकर दो। इससे तुम्हारा हाथ सेट होगा और तुम फिर कॉपी पर भी अच्छा लिखना शुरूकर दोगे।

देखो दोस्तों की राइटिंग : दूसरों से सीखकर तुम बहुत कुछ सीख सकते हो। अपने दोस्तों की हैंडराइटिंग देखकर भी प्रेरणा ले सकते हो।

राइटिग से जुड़ी कुछ मजेदार बातें

✍ यूरोप में 15वीं शताब्दी में केवल अमीर वर्ग के लोग ही अच्छी राइटिंग में लिखना जानते थे।

✍ नेपोलियन बोनापार्ट के बारे में तो तुम लोग जानते ही होगे। पता है, उनकी हैंडराइटिंग इतनी भयानक और भद्दी थी कि वह जब भी अपने कमांडर को कोई नोट लिखकर भेजते थे तो वह किसी युद्ध का मैप लगता था।

✍ अमेरिका में 1000 से भी ज्यादा ऐसे स्कूल हैं, जहां हैंडराइटिंग एक आवश्यक स्किल है। यानी तुम लोग जिस तरह बहाना बना देते हो, वे बच्चों हैंडराइटिंग के लिए बहाना भी नहीं बना पाते हैं।

✍ अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन की हैंडराइटिंग इतनी सुंदर थी कि जब वह केवल 12 साल के थे, तब उनके नोट्स की एक कॉपी वॉशिंगटन की लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस में लगाई गई थी।

✍ कुछ लोगों का मानना है कि राइटिंग दुनिया में पिछले 5,000 सालों से है, वहीं कुछ शोधकर्ता मानते हैं कि यह 50,000 से 100,000 साल पुरानी है।

✍ वैज्ञानिकों का मानना है कि साफ-सुथरे तरीके से लिखने से याददाश्त तेज होती है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार्वजनिक बैंकों ने आत्मनिर्भर भारत के लिये MSME क्षेत्र को 24260 करोड़ का कर्ज मंजूर किया: नड्डा

नयी दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शनिवार को कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान शुरू होने के 14 दिनों के भीतर आपातकालीन कर्ज सुविधा गारंटी योजना के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम क्षेत्र (एमएसएमई) के लिए 24,260 करोड़ रूपये का कर्ज मंजूर किया। नड्डा ने ट्वीट किया, ''आत्मनिर्भर भारत अभियान शुरू होने के 14 दिनों के भीतर आपातकालीन कर्ज सुविधा गारंटी योजना के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 5.6 लाख एमएसएमई के लिए 24,260 करोड़ रुपये का कर्ज मंजूर किया।'' उन्होंने कहा, ''मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इस साहसिक और प्रभावी कदम के लिये धन्यवाद देता हूं।'' केंद्र सरकार ने हाल ही में आत्मनिर्भर भारत अभियान शुरू किया।

दिल्ली के बाजार खुले रहेंगे या बंद होंगे, व्यापारी आज करेंगे फैसला

नयी दिल्ली. राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसके मद्देनजर व्यापारी भी चिंतित हैं। व्यापारियों की रविवार को इस मुद्दे पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक होने जा रही है, जिसमें बाजारों को खुला रखने या बंद करने पर फैसला किया जाएगा। व्यापारियों के प्रमुख संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन, शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी, दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल तथा मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर विचार-विमर्श करने का आग्रह किया है। कैट के महासचिव प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, ''हमने इस मुद्दे पर दिल्ली के व्यापारिक संगठनों और प्रमुख व्यापारी नेताओं से एक ऑनलाइन सर्वे द्वारा उनकी राय मांगी थी। सर्वे में लोगों ने दिल्ली के वर्तमान हालत पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इन हालात में वे मानसिक तनाव में हैं।'' उन्होंने कहा कि जिस तरीके के हालात बने हैं और जिस प्रकार से उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में चिकित्सा सुविधाओं पर टिप्पणी की है, वह काफी चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि सर्वे में 99.4 प्रतिशत व्यापारियों ने कहा है कि दिल्ली में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे है। वहीं 92.8 प्रतिशत ने माना है कि बाजार खुलने की वजह से यह संक्रमण तेजी से फैल रहा है। 88.1 प्रतिशत व्यापारियों ने कहा है कि इस स्थिति वे बाजार बंद करने के पक्ष में है। कैट के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विपिन आहूजा ने बताया की इस विषय पर अंतिम रूप से निर्णय लेने के लिए रविवार को दिल्ली के प्रमुख व्यापारी संगठनों एवं व्यापारी नेताओं की एक वीडियो कॉन्फ्रेंस बुलाई गई है। इस बैठक में सर्वे रिपोर्ट को रखा जाएगा और दिल्ली के सभी व्यापारी मिलकर इस बात का निर्णय करेंगे कि बाजारों को खुला रखा जाए या बंद किया जाए।

वित्त मंत्रालय ने प्रतिभूतियों से जुड़े मामली चूक को गैर-आपराधिक बनाने का प्रस्ताव दिया

नयी दिल्ली. वित्त मंत्रालय ने कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप से व्यवसायों को उबरने में मदद करने के लिये भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम सहित मामूली चूकों को गैर-आपराधिक बनाने का प्रस्ताव दिया है। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने कहा कि बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा जांच से संबंधित कुछ छोटी गलतियों को गैर-आपराधिक बनाने का प्रस्ताव दिया गया है। इनसे संबंधित तीन विधानों पर 27 जून तक विभिन्न संबंधित पक्षों से टिप्पणियां मंगायी गयी हैं। ये तीन विधान भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम 1992, प्रतिभूति संविदा विनियमन अधिनियम 1956 और डिपॉजिटरी अधिनियम 1996 हैं। विभाग ने कहा, ÷छोटी गलतियों को गैर-आपराधिक बनाने के कदम से अदालत प्रणाली और जेलों की भीड़ कम करने तथा कारोबार सुगमता को बढ़ाने की दिशा में दूरगामी मदद मिलने के अनुमान हैं। यह भारत सरकार के 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विकास' के उद्देश्य के लिये भी एक महत्वपूर्ण कदम होगा।' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था की मदद के लिये 20.97 लाख करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज की पांचवीं व अंतिम किस्त की घोषणा करते हुए पिछले महीने कहा था कि मामूली तकनीकी और प्रक्रियात्मक चूक से जुड़े उल्लंघन को गैर-आपराधिक बनाया जायेगा।

कृषिमंत्री ने लघु किसान कृषि व्यवसाय कंसोर्टियम से 10,000 एफपीओ बनाने में मदद करने को कहा

नयी दिल्ली. कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को छोटे किसानों के एग्री-बिजनेस कंसोर्टियम (एसएफएसी) से 10,000 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन में मदद करने के लिए कहा । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी सुधार किए हैं। इनमें कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी सुधार किए हैं।10,000 एफपीओ के गठन का लक्ष्य भी है। तोमर ने एक बयान में कहा, ''इस कार्य को पूरा करने की जिम्मेदारी एसएफएसी की है, जो वर्तमान परिस्थितियों में ई-नाम प्लेटफॉर्म को मजबूत करने के लिए भी जिम्मेदार है।'' एसएफएसी की स्थापना के बाद संस्थागत और निजी निवेश में काफी प्रगति हुई है। एसएफएसी के 24 वें प्रबंधन बोर्ड और 19 वें वार्षिक बोर्ड की बैठकों को संबोधित करते हुए, तोमर ने दो चरणों में 1,000 बाजारों को इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म ई-नाम से जोड़ने के लिए एसएफएसी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस मंच बनाने का उद्देश्य पूरा होना चाहिए। ई-नाम प्लेटफॉर्म पर अब तक 1एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हुआ है। ई-नाम के शुरु होने के बाद से इसके साथ 1.66 करोड़ से अधिक किसानों और 1.30 लाख से अधिक व्यवसायिक इकाइयों को पंजीकृत किया गया है। तोमर ने कहा कि यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि किसान इस मंच के माध्यम से अपनी उपज आसानी से बेच सकें और उन्हें लाभकारी मूल्य मिल सके। इस बीच, तोमर ने सहकार मित्र, इंटर्नशिप कार्यक्रम पर एक योजना शुरू की, जो राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम की एक पहल है। सहकार मित्र योजना सहकारी संस्थानों को युवा पेशेवरों के नए और अभिनव विचारों तक पहुंच बनाने में मदद करेगी, जबकि इंटर्न क्षेत्र में काम करने का अनुभव प्राप्त करेंगे और आत्मनिर्भर होंगे।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार हुआ 500 अरब डॉलर, पहले पांच देशों में शामिल हुआ भारत

मुंबई:

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पांच जून को समाप्त सप्ताह में 8.22 अरब डॉलर बढ़कर पहली बार 500 अरब डॉलर के स्तर के पार हो गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 501.70 अरब डॉलर हो गया। इस तेजी का कारण विदेशी मुद्रा आस्तियों में भारी वृद्धि है। विदेशी मुद्रा भंडार की यह धनराशि एक वर्ष के आयात के खर्च के बराबर है। इससे पिछले 29 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 3.44 अरब डॉलर बढ़कर 463.48 अरब डॉलर हो गया था। पांच जून को समाप्त सप्ताह में देश की विदेशी मुद्रा आस्तियां 8.42 अरब डॉलर बढ़कर 463.63 अरब डॉलर हो गयीं।

भारत समेत दुनिया के सिर्फ पांच देशों के पास 500 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है।

- इसमें चीन 3,101 अरब डॉलर के साथ शीर्ष पर है।
- जापान 1,378 अरब डॉलर के साथ दूसरे,
- स्विटजरलैंड 848 अरब डॉलर के साथ तीसरे
- रूस 565 अरब डॉलर के साथ चौथे स्थान पर है जबकि भारत पाँचवें नंबर पर है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार फरवरी 2002 में पहली बार 50 अरब डॉलर पर पहुंचा था। दिसंबर 2003 में यह पहली बार एक सौ अरब डॉलर, अप्रैल 2007 में दो सौ अरब डॉलर और फरवरी 2008 में तीन सौ अरब डॉलर पर पहुंच गया। वैश्विक आर्थिक मंदी के दबाव में नवंबर 2008 तक एक बार फिर घटकर विदेशी मुद्रा भंडार 245 अरब डॉलर रह गया। यहां से दुबारा तीन सौ अरब डॉलर पर पहुंचने में सवा दो वर्ष का समय लगा। फरवरी 2011 में दुबारा यह तीन सौ अरब डॉलर पर पहुंचा। सितंबर 2017 में विदेशी मुद्रा भंडार पहली बार चार सौ अरब डॉलर के स्तर पर और 05 जून 2020 को समाप्त सप्ताह में पांच सौ अरब डॉलर पर पहुंचने में कामयाब रहा। रिजर्व बैंक के अनुसार, 05 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में 8.42 अरब डॉलर की वृद्धि हुई और सप्ताहांत पर यह 463.63 अरब डॉलर पर रहा। इस दौरान स्वर्ण भंडार 32.90 करोड़ डॉलर घटकर 32.35 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 12 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.28 अरब डॉलर पर और विशेष आहरण अधिकार एक करोड़ डॉलर बढ़कर 1.44 अरब डॉलर पर पहुँच गया।

डीजीजीआई ने 225 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी का किया भंडाफोड़, बनता था अवैध पान मसाला

भोपाल।

केंद्रीय जीएसटी खूफिया अधिकारियों ने इंदौर में अवैध पान मसाला बनाने वाली इकाई का भंडाफोड़ कर 225 करोड़ रुपये की कर चोरी पकड़ी है और इस संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। जीएसटी खूफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने मंगलवार और शुक्रवार को इंदौर और उज्जैन में 16 संदिग्ध और अघोषित गोदामों और आवासीय परिसरों पर संयुक्त रूप से छापेमारी की।शनिवार को जारी आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक डीजीजीआई की शुरुआती जांच के आधार पर यह अनुमान लगाया गया कि आरोपी व्यक्तियों और उनके सहयोगियों ने जुलाई 2019 से मार्च 2020 के दौरान बेचे गए सामान पर लगभग 225 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी की। डीजीजीआई के बयान में कहा गया कि इस धोखाधड़ी में कुल देय शुल्क करीब 400 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। बयान में कहा गया कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान लॉकडाउन के महीनों (अप्रैल और मई, 2020) के दौरान बड़े पैमाने पर पान मसाला और तंबाकू की अवैध बिक्री तथा आपूर्ति की गई।बयान के मुताबिक मामले की आगे जांच जारी है। वक्तव्य में कहा गया है कि इस पूरे मामले को मास्टरमाइंड लोगों और संगठनकर्ताओं ने 20- 30 लोगोंकी भीड़ जुआकर निदेशालय के अधिकारियों के काम में बाधा खड़ी करने का असफल प्रयास किया। पहले एक आवासीय परिसर में और फिर फैक्टरी परिसर में बृहस्पतिवार और शुक्रवार को यह जांच पड़ताल हुई। बहरहाल, मध्य प्रदेश पुलिस की समय पर मिली सहायता से इन प्रयासों को निष्फल कर दिया गया। इसमें कहा गया है कि गंभीर अपराधों को देखते हुये तीन व्यक्तियों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

बाजार में लौटी रौनक, इलेक्ट्रॉनिक्स और कपड़ों की मार्केट में बढ़ी मांग

(एजेंसी)

कोरोना लॉकडाउन में सुस्त पड़ी भारत की अर्थव्यवस्था अब अनलॉक फैज-1 में तंदरूस्त होती नजर आ रही है। बाजार धीरे-धीरे खुलने लगे है जिससे ग्राहकों की संख्या भी बढ़ गई है। कपड़ा, मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक समेत सराफा बाजार में खरीदारी शुरू हो गई है। इस दौरान मोबाइल की मार्केट में डिमांड तेजी से बढ़ी है। लोग 12 हजार से कम कीमत के फोन खरीद रहे है। लेकिन कोरोना लॉकडाउन की वजह से इस रैंज के फोन की मार्केट में काफी शॉर्टेज हो गई है। वहीं बात करे इलेक्ट्रॉनिक मार्केट की तो इस वक्त एलईडी टीवी से लेकर एसी तक सब कुछ काफी महंगा हो गया है और कंपनियों ने इनके दामों में भी बढ़ोतरी कर दी है। वहीं कपड़ा बाजार में लोअर, टी-शर्ट, जिंस, टाउजर की डिमांड काफी तेजी से बढ़ी है।

इलेक्ट्रॉनिक्स हुए महंगे

कोरोना महामारी और लॉकडाउन की वजह से इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों ने 32 से 55 इंच के एलईडी टीवी 1 से 3 हजार रुपए तक महंगे कर दिए है। लॉकडाउन के कारण कई कंपनियां अब ऑफर और क्रेडिट देना बंद कर रही है। बाजार में खरीदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है। इस दौरान ग्राहक कम रेंज की एलईडी की डिमांड ज्यादा कर रहे है। कूलर की मांग कम हो गई है। बता दें कि मार्केट खुल तो रहे है लेकिन ग्राहक सिर्फ अपने जरूरत के अनुरूप ही सामान खरीद रहे है।

कपड़ा बाजार ने पकड़ी रफ्तार

अनलॉक के जैसे-जैसे फैज शुरू हो रहे है वैसे-वैसे कपड़ा मार्केट में भी तेजी दिखाई दे रही है। लोग कम रैंज के कपड़ों की खरीदारी ज्यादा कर रहे है। लोअर, टी-शर्ट, जिंस, टाउजर जैसे कपड़ों की मांग बाजार में ज्यादा है। ग्राहकों के डिमांड पर अब मार्केट में कम रैंज के कपड़े उतारे जा रहे है। कंपनियां नई स्कीम शुरू कर रही है जिससे ग्राहकों को फायदा होगा और इससे मार्केट में डिमांड भी बढ़ेगी।

डिजिटल बदलाव होगा वृद्धि का एक महत्वपूर्ण कारक: टाटा कंज्यूमर प्राडक्ट्स

नयी दिल्ली।

टाटा समूह की कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) का मानना है कि डिजिटल बदलाव कंपनी की वृद्धि का एक प्रमुख चालक होगा। कंपनी ने कहा कि वह इस क्षेत्र में अपनी क्षमता को मजबूत बना रही है। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। कंपनी को कोरोना वायरस महामारी के कारण उपभोक्ताओं के व्यवहार में दीर्घकालिक बदलाव आने के भी अनुमान हैं। अल्पकालिक अवधि के लिये कंपनी का मानना है कि घर पर खपत में वृद्धि होगी,लेकिन डिलिवरी व उठाव के ऑर्डरों में गिरावट आयेगी। कंपनी इसके तहत अपनी रणनीति में मार्केटप्लेस के नये मॉडलों पर नवोन्मेष कर रही है और खाद्य एवं पेय कारोबार में बड़े हिस्से की उम्मीद कर रही है। दीर्घकालिक, रणनीति के हिसाब से कंपनी अपनी क्षमता मजबूत बनाने के साथ ही उत्पादों के अपने पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है। टीसीपीएल के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुनील डिसूजा ने कंपनी की 2019-20 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा, ''हम वृद्धि के लिये डिजिटल बदलाव को एक प्रमुख चालक के रूप में देखते हैं और हम इस क्षेत्र में अपनी क्षमता को मजबूत कर रहे हैं। इसमें माल खरीदने के लिये एक डिजिटल प्लेटफॉर्म शामिल है, जो पूरी आपूर्ति श्रृंखला को खरीद व डिजिटल प्रौद्योगिकी पर स्थापित करने में सक्षम बनायेगा।'' कंपनी ने उपभोक्ताओं तक सीधे माल पहुंचाने में सक्षम होने के लिये कई डिलिवरी प्रदाताओं और ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ हाल ही में समझौता किया है। उन्होंने कहा, ÷हम नये बाजार मॉडल के साथ नवोन्मेष कर रहे हैं। हमने उपभोक्ताओं को सीधे वितरण में सक्षम होने के लिये वितरण प्रदाताओं और ई-कॉमर्स भागीदारों के साथ समझौता किया है। हम नयी दुनिया की वास्तविकताओं का लाभ उठाने के लिये अपने डिजिटल एजेंडे को भी तेज कर रहे हैं।'' उनके अनुसार, महामारी और हालिया लॉकडाउन के दौरान उपभोक्ता मान्यताओं, आदतों और खरीद पैटर्न में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। टीसीपीएल टाटा नमक, टाटा टी, टेटली, एट ओ क्लॉक और हिमालयन वॉटर जैसे लोकप्रिय ब्रांडों का विपणन करती है।

उड़ानें दोबारा शुरू होने के बाद 10 लाख लोगों ने किया हवाई सफर

बिजनेस डेस्क- घरेलू यात्री उड़ानें दुबारा शुरू होने के बाद से यात्रा करने वालों की संख्या 10 लाख के पार पहुंच चुकी है। नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज बताया कि 25 मई को उड़ानें दुबारा शुरू होने के बाद 12 जून तक 11,500 से ज्यादा उड़ानों में 10 लाख से अधिक लोग सफर कर चुके हैं। शुक्रवार को भी सात सौ से अधिक उड़ानों का परिचालन हुआ जिनमें 68,146 यात्री अपने गंतव्यों को पहुँचे। कोविड-19 महामारी का संक्रमण नियंत्रित करने के लिए सरकार ने 25 मार्च से देश में घरेलू उड़ानों के परिचालन पर रोक लगा दी थी। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन 22 मार्च से ही बंद है। केंद्र सरकार ने नये दिशा-निर्देशों के साथ 25 मई से एक-तिहाई घरेलू यात्री उड़ानों के परिचालन की अनुमति दी है।

बर्गर के शौकीनों के लिए अच्छी खबर, फिर खुल गए हैं मैकडोनाल्ड्स के रेस्टोरेंट

बिजनेसब डेस्क।

रेस्तरांओं को खोलने की अनुमति के बाद मैकडोनाल्ड्स ने उत्तर और पूर्वी भारत में अपने आउटलेट्स का परिचालन शुरू कर दिया है। मैकडोनाल्ड्स ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि कंपनी के रेस्तरांओं में आने वाले ग्राहकों को पूरी तरह सुरक्षित और आरामदायक बैठने का माहौल मिलेगा। कंपनी ने कहा कि उसने ग्राहकों तथा अपने कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए 50 से अधिक प्रक्रियाओं में बदलाव किया है। उसके रेस्तरांओं में कर्मचारियों की थर्मल स्क्रीनिंग की जा रही है। कर्मचारियों के लिए मास्क और दस्ताने पहनना अनिवार्य है। इसके अलावा कर्मचारी बार-बार हाथ धोते हैं और हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा रेस्तारांओं में आने वाले ग्राहकों का भी तापमान लिया जाता है। सभी ग्राहकों को हैंड सैनिटाइजर उपलब्ध कराया जा रहा है। उत्तर और पूर्वी भारत में कनॉट प्लाजा रेस्तरां लि. (सीपीआरएल) मैकडोनाल्ड्स के रेस्तरांओं का परिचालन करती है। सीपीआरएल के प्रमुख रॉबर्ट हंगहान्फू ने कहा कि कर्मचारियों और ग्राहकों की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। ''हमने सुरक्षा और साफ-सफाई की पूरी व्यवस्था की है, ताकि हमारे रेस्तरांओं में आने वाले ग्राहक किसी तरह की परेशानी महसूस न करें। ग्राहकों के बैठने की इस तरह से व्यवस्था की गई है जिससे सामाजिक दूरी दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित हो सके।

असम के तेल कुएं की आग से ऑयल इंडिया को हुआ काफी नुकसान

नयी दिल्ली।

ऑयल इंडिया लिमिटेड ने शनिवार को कहा कि उसे असम क्षेत्र में एक कुएं में विस्फोट और बड़े पैमाने पर आग लगने से प्रति दिन 638 टन कच्चे तेल और 4.60 लाख घनमीटर मीटर गैस के उत्पादन का नुकसान उठाना पड़ा है। असम के तिनसुकिया जिले में कंपनी के संचालित बाघजन क्षेत्र में एक कुएं से 27 मई 2020 को प्राकृतिक गैस का अनियंत्रित रूप से रिसाव होने लगा। इसके कारण विस्फोट हो गया। कुएं में आठ जून को आग लग गयी। इसमें अग्निशमन दल के दो कर्मियों की मौत हो गयी और एक घायल हो गया। कंपनी ने ट्विटर पर एक बयान में कहा कि आग लगने के बाद स्थानीय लोगों ने तेल प्रतिष्ठानों पर विरोध प्रदर्शन किया। इसके कारण असम में कुछ क्षेत्रों में 66 तेल कुओं और 13 गैस कुओं को बंद करना पड़ गया। उसने कहा, इसके कारण दैनिक उत्पादन में 638 टन कच्चे तेल और 4.60 लाख मानक घनमीटर प्राकृतिक गैस का नुकसान हुआ।'' ऑयल इंडिया ने कहा कि ड्रिलिंग और वर्कओवर परिचालन को चार स्थानों पर रोका या बाधित किया गया। कुछ क्षेत्रों में कच्चे तेल का परिवहन भी बाधित हुआ। पेट्रोलियम मंत्रालय ने इस घटना की जांच के लिये तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। मंत्रालय के 11 जून के एक आदेश के अनुसार हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) के महानिदेशक एस सी एल दास समिति की अगुवाई करेंगे। आदेश में कहा गया है, यह निर्धारित प्रोटोकॉल और प्रक्रियाओं में खामियों की पहचान करेगा, जिसके कारण यह घटना हुई। समिति इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिये अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपायों की सिफारिश भी करेगी।'' इस समिति में ओएनजीसी के पूर्व अध्यक्ष बी सी बोरा और ओएनजीसी के पूर्व निदेशक टी के सेनगुप्ता भी शामिल हैं। यह समिति एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

Air asia की नई पहल, 50,000 डॉक्टरों को देगी फ्री में उड़ान भरने का मौका

बिजनेस डेस्क । सस्ती उड़ान सेवा देने वाली कंपनी एयरएशिया इंडिया ने कोरोना के मरीजों की दिन रात सेवा कर रहे डॉक्टरों को सम्मान देने का नायाब तरीका निकाला है। कंपनी ने 50,000 ऐसे एयरएशिया रेड पास जारी किये हैं, जिसका लाभ देशभर के डॉक्टर्स उठा सकता है। एयरलाइन ने बताया कि वह अपने घरेलू क्षेत्रों में डॉक्टरों को राष्ट्र के समर्थन में उनके सराहनीय प्रयासों के लिए आभार जताने के तौर पर उड़ानों में 50,000 मुफ्त सीटें देगी। दरअसल **AirAsia** अपने छठे वर्षगांठ की खुशी के मौके पर यह योजना लेकर आई है। इस पहल का लाभ उठाने के लिए डॉक्टर अपने सम्पर्क से जुड़े डिटेल, यात्रा के ब्योरे (यात्रा की तारीख एक जुलाई से 30 सितंबर के बीच की होनी चाहिए), अपने रजिस्ट्रेशन नंबर या पहचान पत्र एयरलाइन की वेबसाइट पर सबमिट कर सकते हैं। इस छूट को प्राप्त करने के लिए आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख 12 जून है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रिकेट में नस्लवाद को तोड़ना हमारी प्रतिबद्धता : ईसीबी

लंदन । इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने माना है कि क्रिकेट नस्लवाद से महरूम नहीं है और इसलिए उसने निकट भविष्य में इससे निपटने की कसम खाई है। हाल ही में अमेरिक में अश्वेत शख्स जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस हिरासत में हुई मौत के बाद दुनिया भर में नस्लवाद के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। कई पूर्व और मौजूदा क्रिकेटरों ने इसके खिलाफ आवाज भी उठाई है। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल कारबैरी और मौजूदा टेस्ट टीम के सदस्य जेम्स एंडरसन ने खुले तौर पर आकर इस पर बात की है। ईसीबी ने एक बयान में कहा, हमने उन लोगों की बातों को बड़े ध्यान से सुना जिन्होंने हाल ही में क्रिकेट, खेल और समाज में अश्वेत होने के अपने अनुभव को लेकर बात की है। इस अहम मुद्दे पर अपनी बात रखने के लिए हम उनकी प्रशंसा करते हैं। हम जानते हैं कि नस्लवाद पूरे देश में अलग-अलग जगह है और हम इस बात को भी जानते खेल इससे अछूता नहीं है। उन्होंने कहा, हम इस बात को जानते हैं कि क्रिकेट हर किसी के लिए है, लेकिन इस बात को समझते हैं कि इसका लुत्फ लेने में कई समुदायों में बाधाएं हैं। हमने देश में ज्यादा से ज्यादा लोगों के पास क्रिकेट को पहुंचा कर प्रगति की है और यह हमारी प्रतिबद्धता है कि हम इस बाधा को दूर करें, पूरे खेल में अपने ढांचे को बदलें।

टी-20 विश्व कप

बीसीसीआई ने कहा, खिलाड़ियों की सुरक्षा प्राथमिकता

नई दिल्ली।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मौरिसन ने शुक्रवार को टी-20 वर्ल्ड कप के लिए राहत देते हुए कहा था कि जिन स्टेडियमों में 40,000 लोगों के बैठने की व्यवस्था है वह अगले महीने से 10,000 तक की तादाद में स्टेडियमों में दर्शकों को बैठा सकते हैं। लेकिन BCCI इसे लेकर ज्यादा दूर की नहीं सोच रही है और उसका कहना है कि भारतीय टीम वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगी या नहीं, इसका फैसला भारतीय सरकार पर निर्भर होगा। BCCI के एक अधिकारी ने आईएएनएस से कहा कि भारतीय टीम टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेना चाहती है, लेकिन इसको लेकर अंतिम फैसला सरकार और स्वास्थ अधिकारियों को लेना है, क्योंकि खिलाड़ियों की सुरक्षा प्राथमिकता है। अधिकारी ने कहा, यह ऑस्ट्रेलियाई सरकार का साहसिक कदम है और मैं इस बात को लेकर आश्वस्त हूं कि उन्होंने यह कदम ऑस्ट्रेलिया में खेल की स्थिति को परखने के बाद ही लिया होगा। हम ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने पर काफी खुश होंगे, लेकिन कई और चीजों पर ध्यान देना होगा और ये सभी स्वास्थ संबंधी हैं। जिन बातों को ध्यान में रखकर फैसला लिया जाना है वो BCCI के हाथों में नहीं हैं। उन्होंने कहा, हमें भारत सरकार और स्वास्थ अधिकारियों के निर्देशों को देखकर फैसला लेना होगा। हमारे लिए हमारे खिलाड़ियों और प्रशंसकों की सुरक्षा काफी अहम है। ऐसा नहीं है कि टीम को मुंबई से पुणे एक डिस्फेक्टेड बस में सफर करना है। वहां खेलकर वापस आना है और अपने-अपने घरों में सुरक्षित वातावरण में पहुंच जाना है। अधिकारी ने कहा कि प्रशंसकों की मौजूदगी एक जोखिम हो सकती है। उन्होंने कहा, वर्ल्ड कप में स्टेडियम में प्रशंसकों का होना जोखिम होगा, खासकर कोविड-19 का लंबा और बिना लक्षण के मामलों को देखते हुए। वहीं, ICC वर्ल्ड कप को लेकर रुको और इंतजार करो की नीति अपना रही है। उसने कहा है कि वह कार्यक्रम को लेकर अपनी रणनीति पर काम कर रही है। ऑस्ट्रेलिया में इसी साल 18 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच टी-20 वर्ल्ड कप खेला जाना है और कोविड-19 के चलते इस पर काले बादल मंडरा रहे हैं। ICC के एक अधिकारी ने ऑस्ट्रेलिया में कोविड-19 की स्थिति की चर्चा किए बिना कहा कि कार्यक्रम के मुताबिक संभावित प्लानिंग मेजबान देश की है। उन्होंने आईएएनएस से कहा, हम अपनी संभावित नीति पर काम कर रहे हैं क्योंकि हमने पहले ही सही कार्यक्रम की नीति के बारे में बता दिया था। उनसे जब पूछा गया कि चूंकि कुछ खिलाड़ियों ने कहा था कि वह खाली स्टेडियमों में बिना दर्शकों के खेलने को लेकर सहज नहीं है तो ऐसे में क्या दर्शकों को स्टेडियम में मंजूरी देना प्लानिंग का हिस्सा है? इस पर अधिकारी ने कहा, कुछ और जोड़ने को है नहीं। बीते कुछ ICC बैठक में हिस्सा लेने वाले एक सूत्र ने आईएएनएस से कहा कि देश में लोगों का प्रवेश इस बात पर भी काफी निर्भर करता है कि ऑस्ट्रेलिया कब तक अपनी यातायात संबंधी पाबंदियों को हटाता है। उन्होंने कहा, देखिए, प्रशंसकों को आने की मंजूरी देना बूस्ट हो सकता है लेकिन अगर कोई स्टेडियम में पॉजिटिव निकल गया तो यह जोखिम भी हो सकता है। लेकिन सबसे अहम बात यह है कि ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक अपनी यातायात संबंधी पाबंदियां खत्म नहीं की हैं। उन्होंने कहा, साथ ही ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज की सीरीज किस तरह से होती है, इस पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा और भविष्य की प्लानिंग के बारे में पता चलेगा। खाली स्टेडियम और भरे स्टेडियमों की बातों में मत पड़िए, क्योंकि यह उन चर्चाओं का हिस्सा रह चुके हैं, जिनमें बातें तय हुई हैं।

आरबीसी हैरिटेज टूर्नामेंट में खेलेंगे विश्व के शीर्ष पांच गोल्फर

वॉशिंगटन । विश्व के शीर्ष पांच गोल्फ खिलाड़ी अगले सप्ताह से दक्षिण कैरोलिना के हिल्टन हेड आइसलैंड में शुरू हो रहे आरबीसी हैरिटेज टूर्नामेंट में खेलेंगे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, लगातार दूसरे सप्ताह विश्व के शीर्ष पांच खिलाड़ी किसी टूर्नामेंट में खेलेंगे। इस सप्ताह चार्ल्स श्वाब चैलेंज में नहीं खेलने वाले दिग्गज गोल्फ खिलाड़ी टाइगर वुड्स इस टूर्नामेंट में भी हिस्सा नहीं लेंगे। चार्ल्स श्वाब चैलेंज कोविड-19 के बीच शुरू होने वाला पहला पीजीए टूर्नामेंट था। मार्च के मध्य से कोरोनावायरस महामारी के कारण गोल्फ बंद था। बेशक हिल्टन हेड आइसलैंड में वुड्स नहीं होंगे लेकिन इस टूर्नामेंट में 114 पीजीए टूर विनर्स खेलेंगे जिसमें रोरी मैक्लॉरी, जैन राह्म, ब्रूक्स कोएप्का, जस्टिन थॉमस और डस्टिन जॉन्सन के नाम शामिल हैं। यह टूर्नामेंट 18 से 21 जून के बीच खेला जाएगा और इसमें दर्शक नहीं होंगे।

तेंदुलकर के मुताबिक टी-20 विश्व कप को लेकर फैसला सीए पर निर्भर

मुंबई ।

भारत के पूर्व कप्तान सचिन तेंदुलकर को लगता है कि इस साल आस्ट्रेलिया में होने वाला टी-20 विश्व कप तय कार्यक्रम के मुताबिक होगा या नहीं, इसके लिए काफी कुछ चीजें मायने रखती हैं। आस्ट्रेलिया में इसी साल 18 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच टी-20 विश्व कप खेला जाना है लेकिन कोरोनावायरस के कारण इस पर काले बादल मंडरा रहे हैं। बुधवार को हुई आईसीसी की बैठक में भी रुको और इंतजार करो की नीति अपनाने का फैसला किया गया है। तेंदुलकर ने आज तक से कहा, टी-20 विश्व कप के भविष्य को लेकर फैसला आस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड पर निर्भर करता है। यह उन पर है कि वह टूर्नामेंट की मेजबानी कर पाते हैं या नहीं। यह इकलौता पहलू नहीं है जिस पर सोच विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, कई चीजों के बारे में सोचना है, जैसे वित्तीय पहलू। सभी चीजें एक साथ आना जरूरी है।

यह मुश्किल फैसला है। सचिन ने खाली स्टेडियमों में बिना दर्शकों के मैच खेलने को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को कई बार दर्शकों से ऊर्जा मिलती है। अगर फुल हाउस की जगह कुछ प्रशंसकों को मैच में आने की अनुमति दी जाए तो यह खेल के लिए एक सकारात्मक बात होगी। उन्होंने कहा, अगर प्रशंसकों को स्टेडियम में आने की मंजूरी मिल जाती है तो इससे अच्छी कोई बात नहीं होगी। इसका मतलब होगा कि हम धीरे-धीरे सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं। स्टेडियम में बिना प्रशंसकों के वो ऊर्जा पाना काफी मुश्किल होगा। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान ने कहा, मुझे एक सलाह के बारे में पता चला था कि शोरगुल के लिए स्पीकर्स का उपयोग किया जा सकता है, लेकिन जब आप किसी को देखते हो तो आप कई बार उनसे प्रेरित हो जाते हो.. आपको उनसे ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा, अगर 25 प्रतिशत प्रशंसक स्टेडियम में आ सकते हैं तो यह अच्छी बात होगी।

संक्षिप्त समाचार

कोविड-19 : मोहन बागान 15 जून को नहीं खोलेगी क्लब टेंट

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में कोविड-19 के मामलों में लागातार इजाफा देखते हुए फुटबाल क्लब मोहन बागान ने शनिवार को कहा है कि वह 15 जून को अपने मैदान क्लब टेंट को खोलने के फैसले को वापस ले रही है। मोहन बागान ने एक बयान में कहा, हमें इस बात की जानकारी देकर काफी निराशा हो रही, हम हालांकि सोमवार से क्लब टेंट खोलना चाहते थे लेकिन कोविड-19 को लेकर मौजूदा स्थिति अच्छी नहीं है और इसके मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, मौजूदा स्थिति को देखते हुए और हमारे सभी सदस्यों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए क्लब के प्रबंधन ने यह सोमवार 15 जून 2020 को क्लब टेंट न खोलने का फैसला किया है। हम स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं और हम इसकी समय अनुसार समीक्षा करते रहेंगे। जहां तक क्लब की आधिकारिक मर्चेंडाइस की बात है तो क्लब ने कहा कि यह एक महीने के अंदर ऑनलाइन उपलब्ध होगी। बयान के मुताबिक, ऑनलाइन सेल की डिटेल्स औपचारिकताएं पूरी होने के बाद जारी कर दी जाएंगी। पश्चिम बंगाल ने कुल कंटेनमेंट जोनों की संख्या शनिवार तक 844 से 1806 हो गई है। वहीं कुल पॉजिटिव मामलों का आंकड़ा 10,000 से ऊपर पहुंच गया है।

क्रिकटरों पर फैसले से पहले बीसीसीआई के जवाब की समीक्षा करेंगे : नाडा

नई दिल्ली । राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने व्हेयर अबाउट (सैंपल देने के लिए पता) की जानकारी नहीं देने के कारण कुछ खिलाड़ियों को नोटिस जारी किया जिसमें से पांच क्रिकेटर भी हैं। क्रिकेटरों के इस कदम को गलती मानने से पहले नाडा बीसीसीआई के जवाब की समीक्षा करेगी। नाडा के महानिदेशक नवीन अग्रवाल ने शनिवार को आईएएनएस से कहा, उनके जवाब और हमारी समीक्षा को ध्यान में रखते हुए हमें फैसला लेंगे कि हमें इसे गलती के तौर पर लेना है या नहीं। इस तरह के मामलों में सुनवाई के कारण दो साल का प्रतिबंध लगाया जाता है। अग्रवाल ने कहा कि इसे गलती तभी माना जाएगा जब नाडा खिलाड़ियों और क्रिकेटरों के संदर्भ में बीसीसीआई की सफाई को देखेगी। जिन क्रिकेट खिलाडियों को नोटिस भेजा गया है उसमें चेतेश्वर पुजारा, लोकेश राहुल के नाम शामिल हैं। अग्रवाल ने कहा, कुछ खिलाड़ियों ने सोचा कि लॉकडाउन है तो उन्हें अपने व्हेयरअबाउट्स देने की जरूरत नहीं है। अब हमें कॉम्पटीशन टेस्टिंग दोबारा चालू करनी है और इसके लिए हमें व्हेयरअबाउट्स की जरूरत होगी। अग्रवाल ने कहा कि इन खिलाड़ियों को ऐसा न करने पर नोटिस भेजा गया था। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई ने जवाब भेज दिया है जिसमें उसने कहा कि फॉर्म को भरने में कुछ पासवर्ड संबंधी मुद्दा था। उन्होंने कहा, कुछ पासवर्ड को लेकर मुद्द था जिसमें वो सुधार कर रहे हैं।

विजेताओं को ट्रॉफी देने के नए तरीके ढूंढ़ रहे : एफ-1 मुखिया

लंदन ।

फॉर्मूला-1 के अध्यक्ष रोस ब्रॉन ने उन बदलावों के बारे में बात की है जिनका प्रशंसकों को कोविड-19 के बाद आदि होना होगा। फॉर्मूला-1 ने इस सप्ताह कहा था कि उसका 2020 सीजन अगले महीने आस्ट्रिया में शुरू होगा और साथ ही आठ रेसों के कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी थी। फॉर्मूला-1 डॉट कॉम ने ब्रॉन के हवाले से लिखा है, प्रक्रिया को लागू करने को लेकर, हमें कोविड-19 की स्थिति को लेकर हमें सुरक्षित और आश्वस्त रहना होगा। उन्होंने कहा, जो आदतें हमें पहले थीं वो जा नहीं सकती। एफ-1 के दौरान जो भरी हुई ग्रिड होती थी वो अब नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि पोडियम पर जश्न मनाने का तरीका भी बदल जाएगा क्योंकि सोशल डिस्टेंसिंग के नियम का पालन करना होगा। ब्रॉन ने कहा, पोडियम पर दो सब कुछ होता था वो अब नहीं हो सकता (अभी की स्थिति में), लेकिन हम रेस के बाद ग्रिड पर कुछ करने के तरीके निकाल रहे हैं एक तरीका यहा है कि कारों को लाइन से खड़ा कर दें और उनके सामने उनके ड्राइवरों को। उन्होंने कहा, हम ट्रॉफी नहीं दे सकते क्योंकि आप किसी के पास नहीं जा सकते, लेकिन हमने इसका समाधान निकाल लिया है, हमारे पास प्लान और कार्यक्रम है। हम देख रहे हैं कि हम इसे टीवी पर कैसे दिखा सकते हैं।

अक्टूबर तक क्रिकेट खेलना मुश्किल होगा : गावस्कर

नई दिल्ली ।

भारत में क्रिकेट के दोबारा शुरू होने की चर्चा है लेकिन भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर को लगता है कि अक्टूबर तक क्रिकेट खेलना सुरक्षित नहीं होगा। गावस्कर ने कहा कि अगले महीने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच बायो-सिक्योर वातावरण में होने वाली टेस्ट सीरीज अच्छा उदाहरण होगी लेकिन कोरोनावायरस जिस गति से बढ़ रहा है उसे देखते हुए क्रिकेट मुश्किल लग रही है। गावस्कर ने समाचार चैनल आजतक से कहा, हम सभी सोशल डिस्टेसिंग का पालन कर रहे हैं और डॉक्टरों ने जो कहा है उसके मुताबिक सावधानियां बरत रहे हैं, लेकिन वायरस के रुकने के संकेत नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने कहा, जैसे ही टेस्टिंग की गति बढ़ती जा रही है मामलों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। इसलिए मुझे लगता है कि क्रिकेट खेलना अगले दो महीनों के लिए सुरक्षित नहीं होगा, शायद अक्टूबर तक क्रिकेट खेलना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा, अगले महीने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच जो बायो-सिक्योर वातावरण में सीरीज होनी है वह अच्छा परीक्षण साबित होगी। यह हमें समझने में मदद करेगी कि हम क्रिकेट खेल सकते हैं या नहीं। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 8 जुलाई से हो रही है और पहला मैच एजेस बाउल में खेला जाएगा।

फुटबाल स्वाभिवक तौर पर नस्लवाद विरोधी है : वेंगर

लंदन । इंग्लैंड के फुटबाल क्लब आर्सेनल के पूर्व मैनेजर आर्सेने वेंगर को लगता है कि लोग फुटबाल से काफी कुछ सीख सकते हैं क्योंकि यह स्वाभाविक तौर से नस्लवाद विरोधी है। अमेरिका में अश्वेस्त शख्स जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस हिरासत में मौत के बाद ब्लैक लाइव मैटर नाम से आंदोलन पूरे विश्व में जोर पकड़ रहा है। वेंगर ने कहा कि फुटबाल में खिलाड़ी को उसकी योग्यता के आधार पर खेलने का मौका मिलता है और इसलिए इसे एक उदाहरण के तौर पर लिया जाता है। वेंगर ने बीइन स्पोर्टस को दिए इंटरव्यू में कहा, मैं कहूंगा कि फुटबाल स्वाभाविक रूप से नस्लवाद विरोधी है। उन्होंने कहा, क्यों? क्योंकि कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप इंग्लैंड के राजा के बेटे हैं या आप गोरे और काले हैं–अगर आप खेलने में अच्छे हैं तो आप खेल सकते हैं। मैं यह कहूंगा कि फुटबाल एक उदाहरण है कि इस समाज को किस तरह से काम करना चाहिए क्योंकि यह योग्यता और काबिलियत के दम पर खेला जाता है। अगर आप अच्छे हैं तो खेलेंगे। यूरोप के तमाम फुटबालरों ने ब्लैक लाइव मूवमेंट के समर्थन में आवाज उठाई है।

शरीफ ने एनआरएआई से ऑनलाइन लीग में निशानेबाजों के हिस्सा लेने की अनुमति मांगी

कोलकाता । भारत के पूर्व निशानेबाज और प्रस्तावित ऑनलाइन निशानेबाजी लीग के आयोजक शिमोन शरीफ ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) से उसके निशानेबाजों को लीग में हिस्सा न लेने के फैसले के बारे में दोबारा विचार करने की अपील की है। एनआरएआई ने शुक्रवार को भारतीय निशानेबाजों को ऑनलाइन निशानेबाजी लीग में हिस्सा लेने से रोकने के आदेश दिए थे और ऐसा न करने पर खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की धमकी भी दी थी। शरीफ ने सिंह को एक ईमेल में लिखा है कि लीग कोई व्यावसायिक हित के लिए नहीं है और इसलिए भारतीय निशानेबाजों को इसमें हिस्सा लेने की मंजूरी मिलनी चाहिए जिससे वो मैच अभ्यास कर सकें जो वो लॉकडाउन के कारण नहीं कर पा रहे हैं। आईएएनएस के पास इस ईमेल की एक प्रति है। शरीफ ने लिखा है, जैसा आप जानते हैं कि हमने ऑनलाइन निशानेबाजी चैम्पियनशिप के चार संस्करणों का सफलता पूर्वक आयोजन किया है जिसके लिए मैंने आपको निजी तौर पर आमंत्रित किया था। इस टूर्नामेंट में शीर्ष निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं जिसमें कई ओलम्पिक कोटा हासिल करने वाले खिलाड़ी भी हैं। इस टूर्नामेंट को निशानेबाजी जगत में काफी सराहना मिली थी। उन्होंने लिखा, अब हम लीग को ऑनलाइन आयोजित कर रहे हैं और यह व्यवसायिक नहीं है। इस लीग में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को कोई पेशेवर फीस नहीं दी गई है। यह लीग निशानेबाजों को पांच सप्ताह में तीन-पांच मैच खेलने का मौका देगी। भारत के शीर्ष निशानेबाजों, ओलम्पिक कोटा हासिल करने वालों ने इसे लेकर काफी उत्साह दिखाया है। शरीफ ने आगे लिखा, मैं आपसे अपील करता हूं कि आप भारतीय निशानेबाजों को इस गैरव्यावसायिक लीग में हिस्सा लेने की मंजूरी प्रदान करें ताकि हमारे निशानेबाजों को भी इस लीग में हिस्सा लेने का मौका मिले। शरीफ से जब इस मामले को लेकर संपर्क किया गया तब उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि एनआरएआई ने चार संस्करणों में कुछ नहीं कहा तो अब उसे क्या परेशानी है। उन्होंने आईएएनएस से कहा, यह एक नया विचार है जो निशानेबाजों को इस समय व्यस्त रखेगा। हमने चार ऑनलाइन निशानेबाजी चैम्पयनिशप आयोजित कराई हैं और तब किसी तरह की आपत्ति नहीं उठाई गई थी। अब मुझे समझ नहीं आ रहा है कि उन्हें इस लीग शब्द से क्या परेशानी है। यह व्यावसायिक नहीं है। निशानेबाजों को इसमें हिस्सा लेने का पैसा नहीं मिल रहा है। शरीफ ने कहा कि मनु भाकेर, अभिषेक वर्मा, यशस्वनी देसवाल और अनिश भानवाल जैसे खिलाड़ियों ने इसमें हिस्सा लेने की हामी भर दी थी लेकिन एनआरएआई के फैसले से वह हिस्सा नहीं लेंगे।

अपनी वापसी को यादगार बनान चाहता हूं : सरफराज अहमद

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को हाल ही में इंग्लैंड दौरे के लिए 29 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। सरफराज ने कहा है कि वह अपनी वापसी को यादगार बनाना चाहते हैं। पाकिस्तान को पांच अगस्त से एक सितंबर के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज और इतने ही मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। सरफराज ने पिछले साल अक्टूबर में आखिरी बार पाकिस्तान के लिए क्रिकेट खेली थी। जियोसुपर टीवी ने सरफराज के हवाले से लिखा, मैं मौके को लेकर सकारात्मक हूं और जब भी मुझे मौका मिलेगा मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा और टीम में अपनी जगह पाने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा, मैं एक टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन कर यादगार वापसी करना चाहता हूं। उतार-चढ़ाव तो खेल का हिस्सा हैं। जब मैं कप्तान था, मेरा ध्यान सबसे ज्यादा इस पर रहता था कि टीम कैसा प्रदर्शन करेगी, लेकिन अब मैं अपने प्रदर्शन पर ध्यान दूंगा। टीम के मुख्य कोच मिस्बाह उल हक ने कहा था कि सरफराज को टीम में मोहम्मद रिजवान के बैकअप विकेटकीपर के तौर पर शामिल किया गया है क्योंकि इंग्लैंड दौरा काफी लंबा है। सरफराज ने कहा, जहां तक बैकअप विकेटकीपर की बात है तो मैं इसे लेकर चिंतित नहीं हूं, मैं इस बात को नहीं सोच रहा हूं कि पहली च्वाइस हूं या दूसरी। मैं इस बात से खुश हूं कि मेरी टीम में वापसी हुई है और टीम में दो विकेटकीपर रहना टीम के लिए ही अच्छा है। हमने ऐसा अतीत में भी देखा है जब टीम में मोइन खान और राशिद खान रहते थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

हत्या के आरोपियों पर बरपा ग्रामीणों का कहर, पुलिस कस्टडी में एक को उतारा मौत के घाट

गिरिडीह. झारखंड के गिरिडीह पीरटांड़ थाना इलाके के पिपराटांड़ में 10 दिनों पहले ही हुई हत्या से नाराज ग्रामीणों ने पांच हत्या के आरोपियों को जिंदा जलाने का प्रयास किया. इस घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने हत्या के आरोपियों को जिंदा जलने से बचा लिया और सभी को एलएमपी वाहन में बैठाने लगे लेकिन लोगों ने पुलिस वाहन पर हमला बोलकर एक हत्यारोपी सुरेश मरांडी की हत्या कर दी.

घटना शुक्रवार सुबह की है. बताया जाता है कि 3-4 जून को पीरटांड़ थाना इलाके के बिशनपुर पंचायत अंतर्गत पिपराटांड़ में 32 वर्षीय युवक हीरालाल किस्कू की हत्या कर दी गई थी. युवक का शव उसके घर से थोड़ी दूरी पर स्थित कुसुम्भा नाला के समीप मिला था.

हत्या के आरोपियों को पीड़ित परिवार से मिली धमकी

इस हत्या के पीछे जमीन विवाद को कारण बताया गया था. इस मामले में 7 लोगों को नामजद किया गया था. एफआईआर के बाद से ही नामजद फरार थे. इस बीच हत्या के आरोपियों की ओर से पीड़ित परिवार को धमकी दी जा रही थी. इन धमकियों से गांव के लोग आक्रोशित थे.

बताया जाता है कि शुक्रवार की रात पांच आरोपी अपने गांव पहुंचे और घर में सोए हुए थे. इस बीच सैकड़ों की संख्या में लोगों ने शनिवार की अलसुबह नामजदों के घर को घेर लिया और आग लगा दी. हालांकि जिस कमरे में आग लगायी गयी वहां पर नामजद नहीं सोए हुए थे.

मामले को काबू में करने के लिए पुलिस ने की हवाई फायरिंग

इस बीच मामले की सूचना पर पुलिस की टीम पहुंची. पुलिस ने सभी को घर से निकाला और सभी हत्या के आरोपी को वाहन पर बैठाने लगे. इसी दौरान लोगों ने एक आरोपी को पकड़ लिया और हत्या कर दी.

बीच बचाव के क्रम में पुलिस के जवान भी चोटिल हो गए. बाद में पुलिस की ओर से हवाई फायरिंग करनी पड़ी. लगभग 10 चक्र हवाई फायरिंग के बाद ग्रामीण पीछे हटे. स्थिति को देखते हुवे भारी संख्या में बलों की तैनाती गांव मे की गयी है.

इधर मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसी राहुल कुमार सिन्हा के साथ एसपी सुरेंद्र कुमार झा भी मौके पर पहुंच गए हैं. जिला से बलों को भी तैनात किया गया है.

भीषण गर्मी के बीच राजस्थान के इन जिलों में होने वाली है भारी बारिश

जयपुर. राजस्थान में पिछले 4 दिनों से भीषण गर्मी और उमस ने लोगों का जमकर सताया है. इस दौरान दिन के तापमान जहां करीब 41 डिग्री को पार कर गया. वहीं, करीब एक दर्जन जिलों में रात का तापमान करीब 30 डिग्री के पार पहुंच गया, लेकिन इस दौरान हल्की बारिश और धूलभरी हवाओं ने लोगों को गर्मी और उमस से राहत भी दी.

पिछले 4 दिनों से प्रदेश में लगातार दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है. इस दौरान रात के तापमान में करीब 4 से 5 डिग्री तक बढ़ोतरी दर्ज की गई तो वहीं रात के तापमान में भी करीब 3 से 4 डिग्री तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई. इस दौरान श्रीगंगानगर में सबसे ज्यादा 45 डिग्री तक दिन का तापमान पहुंचा, तो बीकानेर में 32.5 डिग्री तक रात का तापमान पहुंचा.

बीते 4 दिनों से लगातार दिन-रात का तापमान बढ़ रहा है. इस दौरान करीब 4 से 5 डिग्री तक दिन का तापमान बढ़ा है, तो वहीं रात के तापमान में करीब 3 से 4 डिग्री की बढोतरी हुई है. श्रीगंगानगर में 45 डिग्री के साथ जून का सबसे गर्म दिन रहा. साथ ही 32.5 डिग्री के साथ बीकानेर में सबसे गर्म रात रही.

प्रदेश में भीषण गर्मी और उमस से परेशान हो चुके लोगों के लिए मौसम विभाग की चेतावनी राहत बनकर आई है. मौसम विभाग ने 17 जून तक प्रदेश के करीब 30 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है. इस दौरान धूलभरी हवाओं के साथ हल्की से तेज बारिश की चेतावनी जारी की है. इसके साथ ही चूरू सहित करीब आधा दर्जन जिलों में 15 जून के बाद भीषण लू चलने की भी चेतावनी जारी की गई है.

प्रदेश के 30 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है. धूलभरी हवाओं के साथ हल्की से तेज बारिश का अलर्ट है. भरतपुर, अलवर, अजमेर, बांसवाड़ा, बारां, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, डूंगरपुर, झालावाड़, झुंझनूं, जयपुर, कोटा, सवाईमाधोपुर, सीकर, टोंक, राजसमंद, प्रतापगढ़, सिरोही, उदयपुर, बाड़मेर, बीकानेर, चूरू, जैसलमेर, नागौर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जोधपुर, जालोर और पाली में मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है.

चौमूं पुलिस ने नकबजन गिरोह का किया खुलासा, मौज मस्ती करने के लिए करते थे चोरी

चौमूं. राजस्थानी जयपुर की हरमाड़ा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकबजनी गैंग का पर्दाफाश किया है. पुलिस ने इलाके में चोरी व नकबजनी करने वाले गिरोह से जुड़े दो शातिर आरोपियों सहित एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया है. आरोपियों के कब्जे से चोरी हुए सोने चांदी के जेवरात और लैपटॉप सहित अन्य चोरी का सामान बरामद किया है.

हरमाड़ा थानाधिकारी रमेश सैनी ने बताया कि आरोपी मौज मस्ती और नशे का शौक पूरा करने के लिए चोरी व नकबजनी की वारदात को अंजाम देते थे. इस गिरोह का मुख्य सरगना कैलाश उर्फ बाबा प्रजापत को गिरफ्तार किया गया है. आरोपी बाबा प्रजापत पहले भी नकबजनी के मामले में जेल जा चुका है, जो हाल ही में जेल से छूट कर बाहर आया था. जेल से बाहर आने के बाद अपने गिरोह को फिर से संगठित करके नकबजनी का गिरोह चला रहा था. इसकी सूचना पुलिस को मिली थी.

डीसीपी कावेंद्र सिंह सागर के निर्देश पर हरमाड़ा थानाधिकारी रमेश सैनी ने शातिर आरोपी कैलाश उर्फ बाबा प्रजापत गैंग के सक्रिय सदस्य नितिन सिंह सहित एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया है. आरोपी के कब्जे से सोने चांदी के जेवर, चोरी का लैपटॉप सामान बरामद किया है. पूछताछ में आरोपियों ने तकरीबन 15 चोरी की वारदात करना कबूल किया है. आरोपी चोरी की मोटरसाइकिल लेकर दिनभर कॉलोनियों में बंद मकानों की रैकी कर चिन्हित करते बाद में इन मकानों को निशाना बनाकर चोरी और नकबजनी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते थे.

बाद में मकानों में मिले कीमती सामान को औने पौने दामों में गिरवी रखकर अपने नशे का शौक पूरा करते थे. आरोपी स्मैक व अन्य नशे के आदी बताये जा हैं. आरोपी कैलाश उर्फ बाबा प्रजापत आस पास के युवाओं को पहले नशा करना सिखाता है फिर उन्हें टास्क देकर चोरी की वारदात करवाता है. इस तरह से बाबा प्रजापत ने अपना नेटवर्क खड़ा कर लिया. हालांकि पुलिस ने इस गिरोह का भंडाफोड़ कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. जिनसे पूछताछ की जा रही है. पूछताछ में कई अन्य चोरी की वारदातों का खुलासा होने की संभावना है.

कोरोना काल ने भाजपा का नया प्रयोग, 15 से 25 जून तक आयोजित होंगी वर्चुअल रैलियां

चौमूं. केंद्र में मोदी सरकार का एक वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर कल से प्रदेश में भाजपा वर्चुअल रैलियों का आगाज करेगी. भाजपा ने कोरोना काल मे नया प्रयोग करते हुए ये इस तरह से पहली बार ऑनलाइन रैलियां करने जा रही है.

पहली रैली कल से शुरू होगी, जिसमें भरतपुर और जयपुर संभाग के कार्यकर्ता इस रैली में शामिल होंगे. प्रदेश में इन वर्चुअल रैलियों का आयोजन करने की जिम्मेदारी जयपुर देहात जिलाध्यक्ष एवं विधायक रामलाल शर्मा को दी गई है.

विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि कल आयोजित होने वाली वर्चुअल रैली को केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी संबोधित करेंगी. प्रदेश के 200 विधानसभा इलाकों में वर्चुअल रैलियां 15 जून से 25 जून तक चलेगी. प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में दो वर्चुअल रैलियां आयोजित की जाएंगी. इन रैलियों को लेकर तमाम तैयारी पूरी की जा रही है.

बिहार: SSB का बड़ा बयान, नेपाल सीमा पर तनाव जैसी कोई बात नहीं

एसएसबी पटना फ्रंटियर के आईजी संजय कुमार ने शनिवार को मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि नेपाल से सटी बिहार सीमा पर किसी तरह का तनाव नहीं है. उन्होंने सीतामढ़ी की शुक्रवार को घटना को स्थानीय विवाद मानते हुए कहा, "स्थानीय प्रशासन इसकी जांच कर रही है. एसएसबी और नेपाल पुलिस के सासथ ऐसे भी कभी कोई विवाद नहीं हुआ है."

पटना. सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने शुक्रवार को बिहार के सीतामढ़ी की घटना को स्थनीय विवाद मानते हुए कहा कि बिहार-नेपाल सीमा पर कोई तनाव नहीं है. एसएसबी का कहना है कि इस घटना के पीछे किसी भी तरह के दबाव की बात नहीं है. एसएसबी पटना फ्रंटियर के आईजी संजय कुमार ने शनिवार को मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि नेपाल से सटी बिहार सीमा पर किसी तरह का तनाव नहीं है. उन्होंने सीतामढ़ी की शुक्रवार को घटना को स्थानीय विवाद मानते हुए कहा, "स्थानीय प्रशासन इसकी जांच कर रही है. एसएसबी और नेपाल पुलिस के सासथ ऐसे भी कभी कोई विवाद नहीं हुआ है."

कुमार ने स्पष्ट कहा कि बिहार के लोगों का नेपाल से संबंध बेटी-रोटी का रहा है. लोग आमतौर पर रोज नेपाल आजे-आते हैं. ऐसे में कई मौकों पर झगड़ा हो जाता है, जिसे बाद में सुलझा लिया जाता है. उन्होंने कहा कि इसमें तनाव वाली कहीं कोई बात नहीं है. उन्होंने कहा कि नेपाल पुलिस जिस व्यक्ति को शुक्रवार को उठाकर ले गई थी, उसे भी शनिवार को छोड़ दिया है.

आईजी संजय कुमार ने कहा, "बिहार और नेपाल की सीमा खुली हुई है और एसएसबी की 94 चौकी हैं. प्रत्येक चौकी पर कम से कम एक प्लाटून फोर्स तैनात किया जाता है और एक प्लाटून में कम से कम 20 से 25 फोर्स होती हैं. जहां कंपनी होती है वहां ज्यादा फोर्स भी होती है."उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण काल के दौरान सीमा पर गश्त तेज कर दी गई थी और लोगों की आवाजाही पर कुछ पाबंदी लगाई गई थी. वे कहते हैं लॉकडाउन के कारण लोगों को परेशानी हो रही थी.

मकान मालिक का सपोर्ट, 21 विद्यार्थियों का 3 महीने का किराया किया माफ

बेरोजगारी और कोरोना संकट के बीच उपजे आर्थिक हालतों से जूझ रहे छात्रों को राहत देने के लिए जयपुर के मकान मालिक आगे आ रहे हैं.

जयपुर. बेरोजगारी और कोरोना संकट के बीच उपजे आर्थिक हालतों से जूझ रहे छात्रों को राहत देने के लिए जयपुर के मकान मालिक आगे आ रहे हैं. राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ की ओर से चलाए गए इस अभियान हाथ जोड़कर, गुलाब का फूल देकर किराया माफी अभियान का समर्थन करते हुए ज्योति नगर लालकोठी स्थित मकान मालिक देवेन्द्र हाडा और सोहन लाल शर्मा ने पीजी में रह रहे 21 विद्यार्थियों के तीन महीने की किराया राशि करीब 1 लाख 90 हजार रुपये माफ करने का फैसला लिया.

विद्यार्थियों को सिर्फ पानी और बिजली का खर्च ही भुगतान करना पड़ेगा, मकान मालिक के द्वारा लिए गए इस फैसले के बाद राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ प्रवक्ता उपेन यादव ने मकान मालिका को फूल देकर उनके द्वारा लिए गए फैसले का स्वागत किया.

इसके साथ ही प्रदेश के अन्य मकान मालिक से भी किराया माफ करने का आह्वान किया.

संसद भवन में लहलहाएगा रेगिस्तान का अंगूर पीलू, जैसलमेर से मंगवाए गए बीज

जैसलमेर. रेगिस्तान की भूमि भले ही बंजर हो, लेकिन प्रकृति ने कुछ अनमोल सौगातें रेगिस्तान के लोगों को भी प्रदान की है. प्रचंड गर्मी की शुरुआत होते ही रेगिस्तान में विषम हालात में भी जिंदा रहने वाले पौधे फल देना शुरू कर देते हैं. इनमें से एक है रंग-बिरंगा पीलू. रंग-बिरंगे फल पीलू से लकदक जाळ (जाल) लोगों को बरबस ही अपनी तरफ आकर्षित करना शुरू कर देती है.

एकदम मीठे रस भरे इस फल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे अकेला खाते ही जीभ छिल जाती हैए ऐसे में एक साथ आठ-दस दाने मुंह में डालने पड़ते हैं.

रेगिस्तान के इस फल को यहां लोग देषी अंगुर भी कहते है और उसी चाव के साथ इसे खाते भी हैं, लेकिन अब इस रेगिस्तानी फल का स्वाद दिल्ली के लोगों को भी नसीब होगा. हाल ही में जैसलमेर के सांवता गांव के निवासी सुमेरसिंह भाटी ने पीलु को सुखाकर उसे प्रीजर्व कर दिल्ली की एक संस्था आई एम गुड़गांव को भेजे है जो इसे पौधषाला में लगाकर इसके पौधों को संसद भवन के गार्डन सहित दिल्ली के कई अन्य महत्वपूर्ण गार्डनों और बाग-बगीचों में लगायेगी.

भाटी ने बताया कि उन्होंने पीलू के सुखे फल को कुरियर द्धारा नोइडा स्थित संस्था को भेजा है जो अपनी पौधषाला में इसे लगाकर इसके पौधे बनायेगी और बाद में इसे संसद भवन गार्डन और अन्य कई गार्डनों में लगायेगी जिससे दिल्ली के लोग भी राजस्थान के इस रेगिस्तानी फल पीलु का लुफ्त उठायेगी. भाटी ने कहा कि ये जैसलमेर सहित राजस्थान के लिए गर्व की बात है कि पीलु की झाड़ी जिसे स्थानीय भाषा जाळ (जाल) कहते हैं वो दिल्ली में अपने रंग बिरंगे और रस भरे फलों से वहां के बाग-बगीचों की शोभा बढाएयेगी.

प्रो. श्यामसुन्दर मीणा ने बताया कि यह एक मरूद्भीद पादप है और इसे यहां की जीवन रेखा भी कहा जाता है. अकाल और भीषण गर्मी के दौरान जब अधिकतर पेड़-पौधे सुख जाते है और उनमें पतझड़ शुरू हो जाता है इस समय भी ये पौधा हराभरा रहता है और ये फल देता है, जो यहां के आमजन के साथ जीव-जंतुओं में पानी और अन्य कई आवष्यक तत्वों की पूर्ति करता है. इसमें विटामिन सी और कॉर्बोहाइड्रेडस भरपुर मात्रा में पाया जाता है। मीणा ने बताया कि इस पौधें की हरी टहनियां लगभग 3 हजार वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों में टूथब्रष और इसके पत्तों को माउथ फ्रेशनर की तरह प्रयोग में लिया जा रहा है. इसके अलावा ग्रामीण परंपरागत दवाई के रूप में भी इसके फल, फुल, पत्तियों आदि का कई रोगों के उपचार में प्रयोग करते हैं.

पश्चिमी राजस्थान के इस पौधें के दिल्ली जैसे महानगर के विभिन्न उद्यानों में लगने के बाद वहां की जनता भी विभिन्न पोषक तत्वों से लबरेज इसके रंग बिंरगे मीठे फल पीलु के साथ-साथ इसके औषधिय गुणों का लाभ उठा सकेगी.

ऐसा होता है पीलू

पीलू का पेड़ बेतरतीबी से फैलाव लिए होता है. इस कारण स्थानीय बोलचाल में इस जाल कहा जाता है. एक जाल के समान ही कोई इसमें उलझ सकता है. जमीन तक फैले जाल के ऊपर बकरियां बड़े आराम से चढ़ जाती है. तेज गर्मी के साथ जाल के पेड़ पर हरियाली छा जाती है और फल लगना शुरू हो जाते हैं. चने के आकार के रसदार फल को पीलू कहा जाता है. लालए पीले व बैगनी रंग के इन फलों से एकदम मीठा रस निकलता है. इन दिनों मारवाड़ में हर तरफ पीलू की बहार आई हुई है. इसे तोड़ने के लिए महिलाएं व बच्चे सुबह जल्दी गले में एक डोरी से लोटा बांध जाळ पर जा चढ़ते है. एक पीलू को तोड़ एकत्र करना श्रम साध्य कार्य है.

पीलू खाने का भी है अलग तरीका

पीलू को खाने का भी एक अलग तरीका है. यदि किसी ने एक.एक कर पीलू खाए तो उसकी जीभ छिल जाएगी. वहीं, एक साथ आठ-दस पीले मुंह में डाले कर खाने पर जीभ बिलकुल नहीं छिलती.

लू से करता है बचाव

रेगिस्तान के इस फल के बारे में प्रसिद्ध है कि यह पौष्टिकता से भरपूर होता है और इसे खाने से लू नहीं लगती. साथ ही इसमें कई प्रकार के औषधीय गुण भी होते हैं. औषधीय गुण के कारण महिलाएं पीलू को लोग एकत्र कर सुखा कर प्रीजर्व कर लेती है ताकि बाद में जरुरत पड़ने पर ऑफ सीजन में भी खाया जा सके.

पीलू और कैर से जुड़ी मान्यताएं

मारवाड़ में ऐसी मान्यता है कि जिस वर्ष कैर और पीलू की जोरदार बहार आती है उस वर्ष जमाना अर्थात मानसून अच्छा होता है. इस बार मारवाड़ में कैर व पीलू की जोरदार उपज हुई है. ऐसे में लोगों का कहना है कि इस बार मारवाड़ में अच्छी बारिश होगी.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

UN को यकीन-हथियारों की खेप व मिसाइल हमले के पीछे ईरान का हाथ

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि उसे यकीन है कि अमेरिका ने हथियारों की जो दो खेप जब्त की हैं उनमें कई सामान का स्रोत ईरान है साथ ही सऊदी अरब के तेल प्रतिष्ठान पर हुए हमले तथा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले के पीछे भी ईरान का ही हाथ है। एक नयी रिपोर्ट में यह बात कही गई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि अमेरिका ने नवंबर 2019 और फरवरी 2020 में जिन वस्तुओं को जब्त किया ,उनमें से कुछ उन वस्तुओं से ''मिलती जुलती अथवा समान'' हैं जो सऊदी अरब पर 2019 में मिसाइल हमले और ड्रोन हमले के बाद वहां से मिली थीं। गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को सौंपी गयी एक रिपोर्ट में कहा कि अमेरिका ने यमन के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र से जो चीजें बरामद की हैं वे न केवल ईरान की हैं बल्कि हो सकता है कि उन्हें 2015 के ईरान परमाणु समझौते के तहत परिषद के संकल्पों के असंगत तरीके से भेजा गया हो। महासचिव ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के मकसद से लाए गए 2015 के प्रस्ताव के क्रियान्वयन का जिक्र कर रहे थे। इसमें ईरान को किसी प्रकार के परमाणु और बैलेस्टिक मिसाइल की सामग्री और हथियारों को देने अथवा उससे लेने पर भी प्रतिबंध लगाया जाना शामिल है। यह प्रतिबंध 16 जून 2016 से प्रभावी हुआ था। सुरक्षा परिषद प्रस्तावों के अमल पर 30 जून को चर्चा करने वाली है और माना जा रहा है कि अमेरिका ईरान के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के हथियार प्रतिबंध को अनिश्चित काल तक के लिए बढ़ाने की मांग करेगा। वहीं संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन ने शुक्रवार को इस रिपोर्ट पर कहा,'' हथियारों या सऊदी अरब पर हमलों में इस्तेमाल उनके कलपुर्जों के निर्यात में ईरान से संबंध तथा अमेरिका द्वारा कथित तौर पर जब्त किए गए हथियारों

को ईरानी मूल का बताने संबंधी रिपोर्ट को ईरान सिरे से खारिज करता है।'' ईरानी मिशन ने अपने बयान में कहा कि संयुक्त राष्ट्र में, ''इस प्रकार की जटिल और संवेदनशील जांच की क्षमता, विशेषज्ञता और ज्ञान नहीं है।''बयान में कहा गया कि रिपोर्ट में हू-ब-हू वहीं बातें लिखी हुईं हैं जिनका अमेरिका दावा करता है।

अमेरिका में प्रदर्शनों को दुनिया का समर्थन, ट्रंप पर प्रतिक्रिया से कतरा रहे वैश्विक नेता

इंटरनेशनल डेस्क:

अमेरिका में जारी ''काले लोगों की जिंदगियां मायने रखती हैं'' प्रदर्शन के समर्थन में लोग बर्लिन, लंदन, पेरिस समेत दुनियाभर के अन्य शहरों में सड़कों पर उतरे हैं तथा मिनेसोटा में जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस के हाथों हुई हत्या पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दी गई प्रतिक्रिया पर नाराजगी जता रहे हैं।हालांकि अमेरिका के परंपरागत सहयोगी देशों के नेताओं ने ट्रंप की सीधे आलोचना नहीं की बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और घरेलू रोष के बीच संतुलन साधने का प्रयास किया। ट्रंप के एक चर्च में फोटो खिंचवाने जाने के लिए व्हाइट हाउस के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों को जबरदस्ती हटाये जाने के संबंध में जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से प्रतिक्रिया मांगी गयी तो वह 20 सैकंड तक तो चुपचाप खड़े सोचते रहे और फिर कहा कि कनाडा में भी व्यवस्थागत भेदभाव होता है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति का उल्लेख तक नहीं किया। उन्होंने कहा, ''हमें भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में सहयोगी बनना होगा। हमें सुनना होगा, हमें सीखना होगा और हमें चीजों के समाधान का हिस्सा बनने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।'' जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल से जब जेडडीएफ सरकारी टेलीविजन ने ट्रंप के बयान के बारे में सवाल पूछे तो उन्होंने पहले तो कोई जवाब नहीं दिया और जब बार-बार पूछा गया तो मर्केल ने माना कि ट्रंप का राजनीतिक अंदाज बहुत विवादास्पद है, लेकिन जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें ट्रंप में भरोसा है तो उन्होंने कुछ नहीं कहा। ट्रंप ने पिछले सप्ताह कहा था कि फ्लॉयड की हत्या 'वाकई बहुत भयावह है। नस्लवाद वाकई भयावह है और अमेरिकी में समाज बहुत बंटा हुआ है'। मर्केल के बोलने में सोची-समझी रणनीति का अनुमान पहले ही लगाया जा सकता है क्योंकि चांसलर के तौर पर 14 साल से अधिक समय में उन्होंने सहयोगी देश के किसी भी नेता की आलोचना को लेकर सवालों से बचने का ही प्रयास किया है। इस मुद्दे पर हंगरी के विक्टर ओर्बन या इसराइल के बेंजामिन नेतन्याहू जैसे नेताओं ने भी चुप्पी साध रखी है जो ट्रंप का समर्थन करते हैं।

फेसबुक कर्मचारी ने ट्रंप की पोस्ट को लेकर जुकरबर्ग का किया विरोध, गई नौकरी

वॉशिंगटन:

अमेरिका के ज्वलंत मुद्दे जार्ज फ्लायड हत्या मामले में फेसबुक ने अपने एक कर्मचारी को नौकरी से निकाल दिया। फेसबुक कंपनी में इंजीनियर के रूप में काम करने वाले ब्रैंडन डायल ने ट्वीट के जरिए अपनी नौकरी जाने के बाद बताया कि फेसबुक द्वारा विकसित एक ओपन सोर्स वेबसाइट पर ब्लैक लाइव्स मैटर के बैनर से सहकर्मी को जुड़ने के अपील के चलते उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। डायल ट्वीट में लिखा, 'मैंने ट्विटर पर अपने साथियों को ब्लैक लाइव्स मैटर के सपोर्ट में खड़े होने के लिए कहा था। मैंने जो कहा है उस पर अब भी कायम हूं। उन्होंने मुझे सफाई देने का मौका भी नहीं दिया।' फेसबुक ने ब्रैंडन डायल को नौकरी से निकाले जाने की पुष्टि की है। हालांकि, कंपनी ने इस संबंध में ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। अमेरिका में हुए दंगों को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने र फेसबुक पर एक भड़काऊ पोस्ट की थी। फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने इस पोस्ट पर कार्रवाई करने से इनकार कर दिया था। जुकरबर्ग के इस फैसले का फेसबुक के कई कर्मचारियों ने विरोध किया था। ब्रैंडन डायल नाम के एक कर्मचारी ने जुकरबर्ग के फैसले की कड़ी आलोचना की थी। अब फेसबुक ने उसी कर्मी डायल को नौकरी से निकाल दिया है।

चीन में पटरी पर लौट रही जिंदगी पर फिर मंडराया कोरोना का खतरा, प्रशासन में मचा हड़कंप

बीजिंग।

चीन के वुहान प्रांत से निकले कोरोना वायरस के प्रकोप से राहत के बाद देश में पटरी पर लौट रही जिंदगी पर फिर से इस संक्रमण का खतरा मंडराने लगा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार राजधानी बीजिंग में कोरोना के पॉजिटिव मामलों की पुष्टि के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया है और दक्षिण बीजिंग के 11 आवासीय क्षेत्रों में लॉकडाउन फिर लगा दिया गया है। बीजिंग के फेंताई जिले में शनिवार सुबह को कोरोना वायरस के पांच नए मामले सामने आने के बाद यहां संकट काल का ऐलान कर दिया गया है। फेंताई के शिफांडी मांस बाजार में कई कोरोना पॉजिटिव केस मिले हैं। बाजार से लिये गए 517 नमूनों में से 45 में कोरोना की पुष्टि हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स मे अधिकारयों के हवाले से कहा गया है कि संक्रमण के मामले छह बड़े थोक बाज़ारों और सी फूड बाजारों में मिले हैं। इन बाज़ारों से जुड़े सभी लोगों की न्यूक्लिक एसिड जांच करवाई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि केवल शिफांडी बाज़ार के 10 हज़ार से ज़्यादा लोगों की जांच करवाई जायेगी। आसपास के कई स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना मौतों में विश्व में दूसरे नंबर पर पहुंचा ब्राजील

साओ पाउलो: ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में कोरोना वायरस संक्रमण के कारण 41,828 लोगों की मौत हो चुकी है। इसका मतलब है कि अमेरिका की 'जॉन्स हॉप्किन्स यूनिवर्सिटी' की गणना के अनुसार ब्राजील में कोरोना वायरस के कारण मरने वाले लोगों की संख्या ब्रिटेन से भी अधिक हो गई है और अब मृतक संख्या के मामले में यह विश्व में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस मामले में अमेरिका पहले स्थान पर है। ब्राजील के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में 909 लोगों की मौत हो गई। यह लातिन अमेरिका में कोरोना वायरस से सर्वाधिक प्रभावित देश है और यहां कोरोना वायरस संक्रमण के 8,28,000 मामले सामने आए हैं। ब्राजील में कोरोना वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ने के बावजूद राज्यों और शहरों ने करीब दो महीने पूर्व लगाए गए प्रतिबंधों में ढील देनी शुरू कर दी है। ब्राजील में संक्रमण से सर्वाधिक प्रभावित साओ पाउलो में दिन में चार घंटे दुकानें एवं मॉल खोलने की अनुमति दी गई है।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़कर 1,32,405 हुए

इस्लामाबाद. पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के 6,472 नए मामले सामने आए हैं और इसी के साथ देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 1,32,405 पर पहुंच गए हैं। संक्रमण से 88 लोगों की मौत के साथ मृतक संख्या 2,551 पर पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी।राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में 29,850 लोगों की जांच की गई। देश में अब तक 8,39,019 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण के लिए जांच की चुकी है। मंत्रालय के अनुसार, ''अब तक पाकिस्तान में 50,056 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं।'' मंत्रालय के अनुसार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और बलोचिस्तान में कोई भी मरीज वेंटिलेटर पर नहीं हैं। पाकिस्तान में कोविड-19 के लिए आवंटित 1,400 वेंटिलेटर में 420 वेंटिलेटर का इस्तेमाल हो रहा है। देश में अब तक आए 1,32,405 मामलों से में पंजाब में 50,087, सिंध में 49,256, खैबर पख्तुनख्वा में 16,415, बलोचिस्तान में 7,866, इस्लामाबाद में 7,163, गिलगित बाल्तिस्तान में 1,044 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 574 मामले हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में कम से कम 88 लोगों की संक्रमण से मौत होने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,551 हो गई है। इस बीच पाकिस्तान में कोरोना वायरस की जांच के लिए स्वदेश निर्मित पहली जांच किट को मंजूरी दे दी गई है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री फवाद चौहान ने बताया कि ये किट नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के अनुसंधानकर्ताओं ने तैयार की है।

पाकिस्तान में बाजार में हुए बम धमाका में एक की मौत, 12 लोग घायल

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के रावलपिंडी शहर में भीड़ भरे बाजार में हुए एक शक्तिशाली बम धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन बच्चों समेत 12 लोग घायल हो गए। धमाका शुक्रवार देर रात पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के नजदीक कबाड़ी बाजार के कोला सेंटर में हुआ। पुलिस प्रवक्ता साजिद-उल-हसन ने समाचार पत्र %डॉन% को बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि विस्फोटक सामग्री बिजली के खंभे में लगाई गई थी। धमाके में आसपास की संपत्ति को भी नुकसान हुआ है। एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि तीन बच्चों समेत 12 लोग घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां दो लोगों की हालत नाजुक बताई गई है। आंतकवाद रोधी विभाग और सैन्यकर्मी घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच कर रहे हैं। किसी भी समूह ने अभी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

भारतीय अमेरिकी को अगस्त में होने वाले सम्मेलन के लिए बाइडेन का डेलीगेट चुना गया

वाशिंगटन. सिलिकॉन वैली के भारतीय अमेरिकी उद्यमी अजय जैन भुतोरिया को अगस्त में होने वाले डेमोकैटिक पार्टी राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए जो बाइडेन का प्रतिनिधि निर्वाचित किया गया है। विस्कोन्सिन में अगस्त में होने वाले डेमोक्रैटिक नेशनल कन्वेंशन (डीएनसी) में बाइडेन(77) को तीन नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए औपचारिक रूप से उम्मीदवार नामित किया जाएगा। उम्मीदवार बनने के बाद बाइडेन का सामना रिपब्लिक पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप से होगा, जो दोबारा राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ रहे हैं। भुतोरिया को इस सप्ताह एक कॉकस के जरिए बाइडेन डेलिगेट चुना गया। इसके लिए ऑनलाइन मतदान कराया गया था। भुतोरिया बाइडेन के प्रबल समर्थक हैं और एशियाई अमेरिकियों के मुद्दों को सामने लाने में उनकी अहम भूमिका रही है। साथ ही वह डेमेक्रेटिक पार्टी की वेबसाइट को एशियाई अमेरिकी भाषाओं में अनुवाद करने के काम में डीएनसी का सहयोग कर रहे है। वह 2016 में हिलेरी क्लिंटन के चुनाव के दौरान राष्ट्रीय वित्त समिति में भी सेवाएं दे चुके हैं।

इस कठिन समय में भगवदगीता में खोजें शक्ति और शांति: तुलसी गबार्ड

वाशिंगटन: अमेरिका की पहली हिंदू सांसद तुलसी गबार्ड ने कहा कि इस अस्त-व्यस्त दौर में व्यक्ति को भगवद् गीता में निश्चितता, शक्ति और शांति मिल सकती है। ऑनलाइन दिए संबोधन में हवाई से 39 वर्षीय कांग्रेस सदस्य ने कहा कि यह अव्यवस्था का दौर है और कोई भी यकीन के साथ यह नहीं कह सकता कि आने वाला कल कैसा होगा। गबार्ड ने 'हिंदू छात्रों के लिए 2020 की कक्षा% में कहा, ''लेकिन हम भगवद् गीता में कृष्ण द्वारा सिखाए भक्ति योग और कर्म योग के जरिए निश्चितता, शक्ति और शांति पा सकते हैं।%% अमेरिका के मिनियापोलिस में एक श्वेत पुलिस अधिकारी के हाथों अफ्रीकी-अमेरिकी जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के खिलाफ चल रहे प्रदर्शनों के बीच उनका यह संबोधन हुआ है। हिंदू छात्र परिषद ने सात जून को पहले ऑनलाइन हिंदू संबोधन का आयोजन किया जिसमें कोविड-19 संकट के दौरान एकजुटता व्यक्त करने के लिए फेसबुक और यूट्यूब पर हजारों दर्शक आए। जॉन्स हॉप्किन्स विश्वविद्यालय के अनुसार इस महामारी से दुनियाभर में 76,00,000 से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं और 4,25,000 से अधिक लोग जान गंवा चुके हैं। अमेरिका इस बीमारी से सबसे अधिक प्रभावित देश है।

पाक के Ex PM गिलानी को हुआ कोरोना, बेटे कासिम ने इमरान को ठहराया जिम्मेदार, कहा- 'शुक्रिया' !

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के 6,472 नए मामले सामने आने के बाद देश में संकृमितों की संख्या 1,32,405 पर पहुंच गई है। यहां 88 और लोगों की मौत के साथ मृतकों का 2,551 पर पहुंच गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री यूसूफ रजा गिलानी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। उनकी बेटे कासिम गिलानी ने अपने ट्वीट में इसकी पुष्टि करते हुए प्रधानमंत्री इमरान खान को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, ÷धन्यवाद इमरान खान सरकार और ह्नक्क! आपने मेरे पिता के जीवन को खतरे में डाल दिया है। उनका कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है।÷ यूसूफ रजा गिलानी गुरुवार को रावलपिंडी में ह्नक्क की सुनवाई में हाजिर हुए थे। इससे पहले पाकिस्तान के एक और पूर्व पीएम शाहिद खाकान अब्बासी और वर्तमान रेल मंत्री शेख राशिद भी कोरोना संक्रमित पा जा चुके हैं। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने शनिवार को कहा कि वह कोविड-19 जांच में पॉजिटिव मिले हैं जिससे वह इस खतरनाक वायरस से संक्रमित होने वाले पहले 'हाई-प्रोफाइल' क्रिकेटर बन गए हैं। अफरीदी ने ट्विटर पर खुद के कोविड-19 पॉजिटिव होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा, ÷मैं गुरुवार से स्वस्थ्य महसूस नहीं कर रहा था, मेरे शरीर में बहुत दर्द हो रहा था। मैंने जांच करायी और दुर्भाग्य से मैं कोविड-19 पॉजिटिव हूं। जल्दी स्वस्थ होने की दुआओं की जरूरत है, इंशाअल्लाह।÷ बता दें कि पाकिस्तान में अब तक 8,39,019 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण के लिए जांच की चुकी है। मंत्रालय के अनुसार, ''अब तक पाकिस्तान में 50,056 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं।''मंत्रालय के अनुसार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और बलोचिस्तान में कोई भी मरीज वेंटिलेटर पर नहीं हैं।

पाकिस्तान में कोविड-19 के लिए आवंटित 1,400 वेंटिलेटर में 420 वेंटिलेटर का इस्तेमाल हो रहा है। देश में अब तक आए 1,32,405 मामलों से में पंजाब में 50,087, सिंध में 49,256, खैबर पख्तुनख्वा में 16,415, बलोचिस्तान में 7,866, इस्लामाबाद में 7,163, गिलगित बाल्तिस्तान में 1,044 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 574 मामले हैं।

कमजोर हो रहा कोरोना म्यूटेशन : वैज्ञानिक बोले- अब बनेगी ज्यादा असरदार वैक्सीन

इंटरनेशनल डेस्क:

कोरोना वैकसीन को लेकर किए जा रहे शोधों से कभी दुनिया की उम्मीद जागती है और कभी निराशा हाथ लग रही है ।लेकिन इस बीच वैज्ञानिकों का दावा है कि धीरे-धारे कोरोना वायरस कमजोर हो रहा है और इसके रूप बदलने (म्यूटेट) की दर भी धीमी हो गई है। इसलिए अब अधिक बेहतर वैक्सीन तैयार की जा सकती है। जानकारी के अनुसार कोरोना वायरस के अब तक के 24 रूप (स्ट्रेंन) सामने आ चुके हैं। दुनिया के कई विशेषज्ञों का कहना है कि अगर इस समय वैक्सीन तैयार हो गई तो इसका एक डोज कई सालों तक इंसानों को संक्रमण से बचाएगी। जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दुनियाभर से 20 हजार से अधिक कोरोना सैम्पलों का अध्ययन किया है। इस स्टडी में पाया कि इस वायरस के सबसे बड़े हथियार समझे जाने वाले स्पाइक प्रोटीन में बदलाव नहीं हो रहा है। जॉन हॉपकिंस अप्लायड फिजिक्स लैब के मॉलिक्युलर बायोलॉजिस्ट डॉ. पीटर थीलेन के मुताबिक, 2019 के अंत से लेकर अब कोरोनावायरस में कुछ जेनेटिक बदलाव हुए हैं। अब वह लगभग स्टेबल है और यह समय वैक्सीन तैयार करने के लिए परफेक्ट है। इस समय कोरोना के आरएनए को बेहतर तरीके से समझा जा सकता है। डॉ. पीटर के मुताबिक, अमेरिकी में कोरोना का जो स्ट्रेन पहचाना गया था, वह वुहान में संक्रमण फैलाने वाले वायरस से मिलता जुलता था। इस समय तैयार

हुई वैक्सीन शुरुआती कोरोनावायरस और म्यूटेशन के बाद वाले कोरोना, दोनों पर असरदार साबित होगी। योमेडिकल इंजीनियरिंग विशेषज्ञ डॉ. विंसटन टिम्प के मुताबिक, बिना वैक्सीन के सामान्य जीवन में लौटना सम्भव नहीं है। वायरस के बदलने की धीमी गति का मतलब है, इस समय सफल वैक्सीन तैयार होने की सम्भावना ज्यादा है। डॉ. विंसटन कहते हैं, रिसर्च में सबसे ज्यादा फोकस कोरोना के उस स्पाइक प्रोटीन पर किया जा रहा है जो इंसानी कोशिकाओं में संक्रमण की वजह बनता है। यही सबसे अहम है। अगर वैक्सीन वायरस की इसी खूबी को ब्लॉक करने में कामयाब हो जाती है तो वह बेहद असरदार साबित होगी।

कोरोना महामारी प्रकोप के कारण प्रसव दौरान मौतों का जोखिम बढ़ा: WHO

लंदन। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के प्रमुख ने कहा है कि विकासशील देशों में जैसे-जैसे कोरोना वायरस वैश्विक महामारी का प्रकोप बढ़ रहा है, अधिकारी कुछ निश्चित आबादी पर संक्रमण के असंगत प्रभाव को लेकर खास तौर

से चिंतित हैं। इनमें वे महिलाएं भी शामिल हैं जिनमें प्रसव के दौरान जान जाने का जोखिम बढ़ा हुआ है। महासचिव तेदरोस अधानोम गेब्रेयसस ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में कहा कि WHO उन लोगों पर प्रभाव को लेकर विशेष तौर पर चिंतित है जिन्हें स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में संघर्ष करना पड़ता है ..जैसे महिलाएं, बच्चे और किशोर। तेदरोस ने कहा कि वैश्विक महामारी ने कई देशों में स्वास्थ्य तंत्रों को बुरी तरह प्रभावित किया है और आगाह किया है कि कई महिलाओं के प्रसव के दौरान मरने का जोखिम बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी ने हाल ही में माताओं से उनके नवजात शिशुओं में कोरोना वायरस फैलने के जोखिम की जांच की और पाया कि स्तनपान का लाभ वायरस के प्रसार के जोखिम को दूर करता है। ऐसा उन गर्भवती महिलाओं में भी देखा गया जो संक्रमित हैं या जिनमें संक्रमण का संदेह है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ युवा लोगों को लेकर भी चिंतित है जो बेचैनी एवं अवसाद के प्रति संवेदनशील होते हैं। संगठन ने ध्यान दिलाया कि कुछ देशों में एक तिहाई से ज्यादा किशोरों को स्कूल में विशेष तौर पर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मदद प्रदान की जाती है।

नेपाल की संसद ने दी विवादित नक्शे को मंजूरी, संशोधन बिल हुआ पास

काठमांडू:

नेपाल की संसद में विवादित नक्शे में संशोधन का प्रस्ताव पास हो गया है। नए नक्शे में बारत के तीनों हिस्से कालापानी, लिपुलेख दर्रा और लिम्पियाधुरा को शामिल किया गया है। 275 सदस्यों वाली नेपाली संसद नें इस नक्शे मंदूरी दी। संशोधन के पक्ष में 258 वोट पड़े। बता दें कि भारत और नेपाल में सीमा विवाद के कारण रिश्ते तनावपूर्ण चल रहे हैं। 8 मई को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिपुलेख से धाराचूला तक बनाई गई सड़क का उद्घाटन किया था। इसके बाद नेपाल ने लिपुलेख को अपना हिस्सा बताते हुए विरोध किया था। 18 मई को नेपाल ने नया नक्शा जारी किया। इसमें भारत के तीन इलाके लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को अपना हिस्सा बताया। नेपाल ने 18 मई को एक नया नक्शा जारी किया था, जिसमें भारत के कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को अपना हिस्सा बताया था। इस कदम से भारत और नेपाल की दोस्ती में दरार आनी शुरू हो गई। भारत ने लगातार इसका कड़ा विरोध किया लेकिन नेपाल अब इस नक्शे पर अड़ गया है। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भारत पर अवैध कब्ज़े का आरोप लगाया। साथ ही दावा किया कि वो अपनी ज़मीन वापस लेकर रहेंगे। 11 जून को नेपाल की कैबिनेट ने 9 लोगों की एक कमिटी का गठन किया है। जिस ज़मीन पर नेपाल इतने दिनों से दावा कर रहा है और भारत के साथ विवाद खड़ा कर रहा है। उस ज़मीन पर अपने अधिकार का नेपाल के पास कोई प्रमाण ही नहीं है।

चीन की शह पर भारत के खिलाफ जा रहा नेपाल

थल सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने शनिवार को कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध हमेशा ही मजबूत रहा है और भविष्य में भी ऐसा ही रहेगा। नेपाल की संसद में नए नक्शे पर बहुत जल्द मतदान होने की संभावना है। इस नक्शे में नेपाल ने भारत से लगी अपनी सीमा के साथ नये इलाकों के रूप में लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को प्रदर्शित किया है। उसने नयी दिल्ली द्वारा सख्त विरोध जताये जाने के बावजूद यह कदम उठाया है। वहीं, भारत यह कहता रहा है कि ये तीनों इलाके उसके हैं।

जनरल नरवणे ने कहा, ''हमारा नेपाल के साथ बहुत मजबूत संबंध रहा है। हमारे भौगोलिक, सांस्कृतिक, एतिहासिक, धार्मिक संबंध रहे हैं। दोनों देशों के बीच लोगों के स्तर पर भी मजबूत संबंध रहे हैं। उनके साथ हमारा संबंध हमेशा मजबूत रहा है और भविष्य में भी ऐसा ही रहेगा। नेपाल ने सड़क के उदघाटन के पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दावा किया था कि यह नेपाली भू-भाग से होकर गुजरती है। इस विवाद के बीच में जनरल नरवणे ने कहा था कि यह मानने के कारण हैं कि नेपाल ने किसी और के इशारे पर सड़क का विरोध किया है, उन्होंने इस विषय में चीन की भूमिका का संभवत~ जिक्र करते हुए यह कहा। इस टिप्पणी पर नेपाल ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। कुछ दिन बाद नेपाल नया नक्शा लेकर आ गया, जिसमें उसने लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को अपने भू-भाग के रूप में दिखाया है। लिपुलेख दर्रा, कालापानी के नजदीक सुदूर पश्चिमी बिंदु (स्थान) है। कालापानी, नेपाल और भारत के

बीच विवादित क्षेत्र है। दोनों देश इसे अपना-अपना अभिन्न हिस्सा बताते हैं। भारत इसे उत्तराखंड के पिथौड़ागढ़ जिले का हिस्सा बताता है, जबकि नेपाल इसके धारचुला जिले का हिस्सा होने का दावा करता है। नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने इन तीनों इलाकों को नेपाल का हिस्सा होने का दावा किया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत मनपा लिंबायत की 587 दुकानें अनिश्चितकाल के लिए बंद रखने का आदेश

क्रांति समय

सूरत, सूरत महानगर पालिका आयुक्त ने शहर के लिंबायत की 587 दुकानें अनिश्चितकाल तक बंद रखने का आदेश दिया है! सूरत में लगातार बढ़ रहे कोरोना मामलों को लेकर कार्यवाही की जा रही है!

शहर के लिंबायत क्षेत्र की 587 दुकानें क्लस्टर जोन में होने की वजह से महानगर पालिका आयुक्त बच्छानिधि पानी ने इन दुकानों को अनिश्चितकाल तक बंद रखने का आदेश दिया है!

सूरत के कई मकानों को भी क्लस्टर जोन में शामिल किया गया है और यहां के सभी लोगों को होम कोरन्टाइन रहने का आदेश दिया है!

बता दें कि सूरत मनता आयुक्त ने बीते दिन सोशल मीडिया के माध्यम से शहर के लोगों से अपील की थी

कि वे अपना कत्तर्व्य समझ कर सोशल डिस्टेसिंग पालन और मास्क पहनें!

कोरोना गाइडलाइन पालन नहीं करने की वजह से सूरत में पॉजिटिव केसों की संख्या में इजाफा हो रहा हैद्य बच्छानिधि पानी ने चेतावनी दी कि

जिस इलाके, इंडस्ट्री में पॉजि. टिव आने उस क्षेत्र को 28 दिन के लिए क्लस्टर जोन घोषित कर कोई छूट नहीं दी जाएगी सभी रोजगार–धंधे बंद करवा दिया

खेल खेल में बच्ची का सिर फंसा कूकर में, डॉक्टरों ने बड़ी मशक्कत के बाद निकाला

क्रांति समय

भावनगर, शहर के पीरछल्ला क्षेत्र निवासी परिवार की एक साल की मासूम बच्ची का सिर कूकर में फंस गया!

परिवार ने बच्ची से सिर कूकर से निकालने के काफी प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर उसे अस्पताल ले गए!

जहां डॉक्टरों ने कूकर को काटकर बच्ची का सिर निकाला! बच्ची की हालत ठीक है और उसे फिलहाल ऑब्जर्वेशन में रखा गया है!

जानकारी के मुताबिक भावनगर के पीरछल्ला क्षेत्र में रहनेवाले परिवार की एक साल की बच्ची घर में खेल रही थी! खेलते खेलते बच्ची का सिर कूकर में फंस गया और वह रोने लगी! माता–पिता ने कूकर से बच्ची का सिर निकालने का काफी कोशिशें की, परंतु सफलता नहीं मिली!

बच्ची को तुरंत भावनगर के सर टी अस्पताल ले गए!

जहां बाल रोग और ऑर्थोपेडिक डॉक्टरों समेत नर्सिंग स्टाफ ने कटर से कूकर को काटकर करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद बच्ची के सिर को कूकर से मुक्त कराया! बच्ची के सिर में सूजन को छोड़ उसकी तबियत ठीक है और उसे ऑब्जर्वेशन में रखा गया है!

भारत के मुकाबले पाकिस्तान में पेट्रोल–डीजल सस्ता : परेश धानाणी

क्रांति समय

अहमदाबाद , विपक्ष के नेता परेश धानाणी ने पेट्रोल–डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर सरकार पर कड़े प्रहार किए और कहा कि भारत के मुकाबले पाकिस्तान की स्थिति अच्छी हैद्य क्योंकि पाकिस्तान में पेट्रोल–डीजल की कीमतें काफी कम है! पाकिस्तान में प्रति लीटर पेट्रोल की कीमत रु. 23 है, जबकि भारत में पेट्रोल 70 रुपए लीटर में बेचा जा रहा है! बात बात पर पाकिस्तान से तुलना करनेवाली भाजपा सरकार पेट्रोल–डीजल के कीमतों की तुलना क्यों नहीं करती? परेश धानाणी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार वैश्विक महामारी के दौरान मुनाफाखोरी कर रही है! लॉकडाउन के समय से लोग महंगाई से जूझ रहे है और रोजमर्रा वस्तुओं के दाम आसमान छूने लगे हैं! लॉकडाउन खुलने के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार इजाफा किया जा रहा है! बता दें कि पिछले चार दिनों से पेट्रोल–डीजल की कीमतें बढ़ रही हैं!

बड़े शहरों के कोरोना मरीजों को अन्य जिलों में ट्रांसफर नहीं किया जाएगा : स्वास्थ्य आयुक्त

क्रांति समय

बनासकांठा, गुजरात के राहत आयुक्त जयप्रकाश शिवहरे ने आज पालनपुर में कहा कि अहमदाबाद समेत बड़े शहरों से कोरोना मरीजों को अन्य जिलों के अस्पताल में ट्रांसफर नहीं किया जाएगा! पालनपुर पहुंचे स्वास्थ्य आयुक्त ने कलेक्ट्रेट में बनासकांठा, मेहसाणा और पाटन जिला स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ कोविड अस्पताल और सुविधाओं के लेकर चर्चा कीद्य साथ ही उनके जिलों में कोरोना पॉजिटिव मामले और मृत्यु दर पर भी बात कीद्य मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मेट्रो शहरों से एक भी कोरोना मरीज को अन्य जिलों में ट्रांसफर नहीं किया जाएगा! उन्होंने राज्य की जनता से ऐसी किसी अफवाह से बचने की अपील करते हुए कहा कि अहमदाबाद समेत अन्य शहरों में कोरोना मरीजों के लिए पर्याप्त बैड उपलब्ध है और मरीजों का बेहतर उपचार किया जा रहा है! उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में हालत से पहले से बेहतर है! धमन 1 और राज्य में कोरोना से मृत्युदर के बारे में स्वास्थ्य आयुक्त ने कोई जवाब नहीं दिया!

तुलसी रोपण कार्यक्रम में शामिल नगर पार्षद कोरोना की चपेट में

क्रांति समय

अहमदाबाद, शहर के नारणपुरा वार्ड में आयोजित तुलसी रोपण कार्यक्रम में शामिल एक महिला नगर पार्षद के कोरोना संक्रमित पाए जाने से हड़कम्प मच गया है!

अहमदाबाद की महापौर बीजल पटेल की मौजूदगी में 5 जून को आयोजित इस कार्यक्रम में नारणपुरा वार्ड की पार्षद साधना जोशी के अलावा उप महापौर, कारोबारी चेयरमैन, सत्तापक्ष के नेता, दंडक और पूर्व महापौर भी मौजूद थे!

कार्यक्रम में मौजूद साधना जोशी के साथ ही उनके परिवार के दो सदस्यों की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है!

साधना जोशी के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद कार्यक्रम में मौजूद महापौर समेत अन्य नगर पार्षदों में भी चिंता पैठ गई है!

नई गाइडलाइन के मुताबिक फिलहाल प्रशासन द्वारा साधना जोशी के एक सप्ताह पुराने संपर्कों का ट्रेसिंग किया जा रहा है!

साधना जोशी का टेस्ट कब हुआ, इसकी भी जांच की जा रही है!

यदि 5 से 12 जून के बीच टेस्ट हुआ होगा तो कार्यक्रम में मौजूद महापौर समेत सभी कोरन्टाइन होना पड़ेगा!

इससे पहले हाटकेश्वर–भाईपुरा के भाजपा नगर पार्षद गयाप्रसाद कनौजिया की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें आईसीयू में दाखिल किया गया था!

हाटकेश्वर–भाईपुरा वार्ड के भाजपा प्रमुख राकेश पटेल की भी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी!

नितिन गडकरी की गुजरात के उत्तर और दक्षिण जोन में वर्च्युल रैली आज

क्रांति समय

अहमदाबाद, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी रविवार को गुजरात के उत्तर और दक्षिण जोन की वर्च्युअल रैली को संबोधित करेंगे!

पार्टी के प्रदेश कन्वीनर प्रशांत वाला ने बताया कि 14 जून को दोपहर 3 बजे नितिन गडकरी के साथ ही गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख जीतु वाघाणी डिजिटल प्लेटफार्म के जरिए वर्च्युअल रैली को संबोधित करेंगे! इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और राज्य सरकार के कैबिनेट मंत्री गणपत वसावा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे!

वर्च्युअल रैली का लाइव प्रसारण भाजपा गुजरात के विभिन्न सोशल मीडिया Facebook-com@BJP4Gujarat] Twitter-com@BJP4Gujarat और Youtube-com@BJP4Gujarat पेज देखा जा सकेगा! मोदी सरकार 2.0 कार्यकाल के वचनपूर्ति और विचारधारा पूर्ति का पहला वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ''सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास'' मंत्र के साथ जनकल्याण में किए गए विभिन्न कार्य, योजना समेत देश की एकता और अखंडिडता को मजबूत करने वाले फैसलों की जानकारी जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सरकार का ''रिपोर्ट कार्ड'' जनता के समक्ष पेश करने के लिए टेक्नोलोजी का उपयोग कर भाजपा द्वारा डिजिटल माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है!

कांग्रेस के क्रॉस वोटिंग के संकेत से भाजपा की धड़कनें तेज

क्रांति समय

अहमदाबाद, गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा ने आगामी राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग का संकेत देकर भाजपा की धड़कनें बढ़ा दी हैं!

अमित चावड़ा ने कहा कि भूतकाल में क्रॉस वोटिंग के कारण भाजपा नेता को हार मुंह देखना पड़ा थाद्य राज्यसभा चुनाव में आरसी फलदु का वोट कैंसल हुआ था!

चावडा ने कहा कि इस बार भी भाजपा के किसी विधायक के क्रॉस वोटिंग से उसका वोट रद्द हो सकता है!

अमित चावड़ा कोई माइंड गैम खेल रहे हैं या कुछ और यह आनेवाले वक्त में ही पता चलेगा! फिलहाल उनके इस बयान से भाजपा में खलबली मच गई है! शुक्रवार को भी अमित चावड़ा ने भाजपा सरकार पर कड़े प्रहार किए थे और कहा था कि वह अब कांग्रेस के किसी विधायक

को तोड़ने में सफल नहीं हो रही, इसलिए अब वह सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है!

खरीद–बिक्री संघ खोलकर भाजपा ने पहले कांग्रेस विधायकों को खरीद लिया!

लेकिन बाद में असफल होने पर कांग्रेस विधायकों को डराने ध धमकाने पर भाजपा उतर आई है!

गौरतलब है गुजरात में राज्यसभा की 4 सीटों पर 19 को वोटिंग होनी है!

भाजपा ने अभय भारद्वाज, रमीला बारा और नरहरि अमीन को उम्मीदवार बनाया है!

वहीं कांग्रेस ने शक्तिसिंह गोहिल और भरतसिंह सोलंकी को मैदान में उतारा है!

182 सीटों वाली गुजरात विधानसभा में कांग्रेस के 73 सदस्य थे, जिसमें से 8 विधायकों के इस्तीफे से उसका संख्याबल 65 रह गया है! वहीं भाजपा के 103 विधायक हैं!

राज्यसभा चुनाव में भाजपा ने अपने तीन और कांग्रेस ने अपने दो उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए एडीचोटी का जोर लगा दिया है!

कांग्रेस के मौजूदा संख्याबल को देखते हुए उसके एक उम्मीदवार की राह काफी मुश्किल है!

8 विधायकों के इस्तीफे के बाद कांग्रेस का संख्याबल घटकर 65 रह गया है!

निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवाणी कांग्रेस के साथ हैं!

जबकि एनसीपी के इकलौते विधायक कांधल जाडेजा को व्हीप जारी कर कांग्रेस के पक्ष में वोट करने का आदेश दिया है!

बीटीपी के दो विधायक छोटु वसावा और महेश वसावा के वोट किसकी झोली में जाते हैं,

यह फिलहाल तय नहीं है! हाल ही में छोटू वसावा ने कहा था कि जब वोट की जरूरत होती है, तब उन्हें याद किया जाता है!

करोना पर कविता

हार जाएगा कोरोना, भारत फिर से मुस्कुराएगा

फिर से लौटेगी इन वीरान सड़कों की रौनक।
फिर से हर गाांव हर शहर खिलखिलाएगा।
आएगी फिर से शिु हाली और देश ये लहलहाएगा।
हार जाएगा कोरोना ,भारत फिर से मुस्कुराएगा।
बीत जाएगी ये काली रातें. छांट जाएगा आंधेरा।
ममट जाएगी बेचैननया,मुस्काएगा हर एक चेहरा।
चीरकर गम के बादलों को सूरज फिर सेखिलममलाएगा
हार जाएगा कोरोना, भारत फिर से मुस्कुराएगा।
होगा इस धरा पर फिर से मिुशयों का बसेरा।
गुनगुनी धपू सा खिल उठेगा भववष्य सुनहरा।
कब तक आखिर येगम इांसानों को यूां सताएगा।
हार जाएगा कोरोना, भारत फिर से मुस्कुराएगा।
इतना धीरज रि हमने कुछ ददन और सही।
बाॉट लेंहम मिुशयों के सांग अपनों के गम भी।
कभी तो भगवान को भी हालातों पेतरस आएगा।
हार जाएगा कोरोना,भारत फिर से मुस्कुराएगा।
रिना होगा हर कदम हमेंबहुत ही सांभल कर ।
ददलाना होगा अहसास अपनेपन का दरू रहकर।
फिर से होंगे सब साथ,ये दौर भी गुजर जाएगा।
हार जाएगा कोरोना, भारत फिर से मुस्कुराएगा।
तरक्की की गाड़ी भी पकड़ेगी फिर से रफ्तार।
फिर सेममलेगी सबके सपनों को भी उड़ान।
थाम कर चलेंहाथ तो रास्ता यूही कट जाएगा।
हार जाएगा कोरोना ,भारत फिर से मुस्कुराएगा।
माना हैदौर मुश्ककलों भरा, पर ये भी गुजर जाएगा।
जाते जाते हर इांसान को नए सबक भी मसिाएगा।
ये दौर ना जानेफकतने अपनेननशान छोड़ जाएगा।
हार जाएगा कोरोना, भारत फिर से मुस्कुराएगा।
रजनी के आांचल सेननकलकर नया सवेरा आएगा।
दीप जल उठेंगे एकता के तब ददव्य उजाला छाएगा।
फिर सेववकवपटल पर भारत नया इनतहास रचाएगा।
हार जाएगा कोरोना भारत फिर से मुस्कुराएगा ।

–पवन सोलांकी सुमेरपुर पाली (राजस्थान)

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)